मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित दैनिक समाचार-पत्र

हमारा उद्देश्य सेवा समर्पण जनकल्याण

एक सत बुलेटिन

E-mail: eksatbulletin@gmail.com | भोपाल, सोमवार 31 अगस्त 2026 | वर्ष-08, अंक-285, पृष्ठ-08, मूल्य- दो रुपए | Website: www.eksatbulletin.in

मध्यप्रदेश के चित्रकूट में बाढ़: 300मीटर लंबा बड़ा पुल बहा, यूपी के 47 जिलों में बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली/भोपाल/लखनऊ। मध्यप्रदेश में लगातार बारिश से सतना, चित्रकूट, टीकमगढ़, छतरपुर और पन्ना में बाढ़ जैसे हालात हैं। चित्रकूट में 18 घंटे से हो रही मूसलाधार बारिश से भीषण बाढ़ के हालात हैं। मंदाकिनी नदी करीब 30 फीट ऊंची बह रही है। तेज बहाव में रामघाट का 300 मीटर लंबा पुल बह गया। टोन्स हाइडल प्रोजेक्ट से पानी छोड़े जाने से पहले 36 गांवों में अलर्ट जारी किया गया है। यूपी, बिहार सहित देश के 4 राज्यों में तेज बारिश का अलर्ट है। उत्तर प्रदेश के 47 शहरों में आंधी-बारिश की संभावना है।

ओडिशा के तीन जिलों में 67,000 से अधिक लोग बाढ़ से प्रभावित हैं, वहीं मौसम विभाग ने राज्य के उत्तरी और तटीय क्षेत्रों में 2 सितंबर तक भारी बारिश का पूवार्नुमान जताया है, जिससे स्थिति और खराब हो सकती है। वहीं, बिहार में गंगा और गंडक नदियां खतरे के निशान से ऊपर हैं। यहां 50 हजार से ज्यादा घर पानी में डूबे हैं। उधर, हिमाचल प्रदेश में 67 सड़कें बंद हैं।

चमोली और रुद्रप्रयाग में मूसलाधार बारिश

देहरादून में शुक्रवार दोपहर बाद हुई लगातार दो घंटे की जोरदार बारिश से प्रमुख सड़कें पानी में डूब गईं और शहर के कई हिस्सों में घुटनों तक जलभराव की स्थिति बन गई। सड़कों पर पानी भरने से दून अस्पताल चौक, घंटाघर, सहारनपुर रोड और आईएसबीटी के आसपास घंटों लंबा ट्रैफिक जाम लगा रहा, जिससे लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

मुख्यमंत्री ने चित्रकूट में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का किया पैदल भ्रमण

संकट की घड़ी में पूरी सरकार है बाढ़ पीड़ितों के साथ : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

एक सत बुलेटिन, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार को रीवा से सीधे चित्रकूट पहुंचे। मुख्यमंत्री ने चित्रकूट में बाढ़ की आपदा से उत्पन्न परिस्थितियों का मुआयना किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्राचीन मुखार विन्द के पास बनाए गए आश्रय स्थल (राहत शिविर) पहुंचकर सभी बाढ़ प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर उनके कुशल-क्षेम की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने बाढ़ प्रभावितों को राहत सामग्री का वितरण किया और कहा कि संकट की इस घड़ी में हमारी पूरी सरकार आप लोगों के साथ है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मंदाकिनी नदी की बाढ़ से नदी का पानी घरो में घुसने से काफी नुकसान हुआ है। इसके अलावा चित्रकूट की अधोसंरचनाओं को भी क्षति पहुंची है। उन्होंने सभी प्रभावितों से कहा कि सरकार और प्रशासन आपदा की घड़ी में पीड़ितों के साथ है। सभी प्रभावितों को उनके हुए नुकसान की भरपाई की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि चित्रकूट में जन जीवन सामान्य होने तक सभी वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी यहीं रूककर प्रभावितों को राहत पहुंचाने का काम करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आश्रय स्थल पर बांदा के बबेरू से आए श्रद्धालु श्री राजू सिंह से बात की। श्री राजू ने बताया कि वे 20 लोगों के साथ कामतानाथ स्वामी के दर्शन करने आए थे। बाढ़ का पानी होने से वे सब अपने घर वापस नहीं लौट पाए। उन्होंने बताया कि इस आश्रय स्थल पर प्रशासन द्वारा उन सभी के लिए भोजन, पानी, नाश्ते की समुचित व्यवस्था की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आश्रय स्थल पर बाढ़ प्रभावित व्यक्तियों को वस्त्र, घरेलू सामग्री और खाद्यान्न आदि राहत सहायता सामग्री भी वितरित की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने चित्रकूट नगर के रामधाम मोहल्ले में जलभराव (बाढ़) से प्रभावित क्षेत्रों का पैदल भ्रमण किया।

उन्होंने कीचड़ से सने मार्ग में पैदल चलकर प्रभावितों के घरों तक पहुंचकर जल भराव से हुए नुकसान का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्री रामफल गर्ग और श्री किस्मत कुमार गर्ग के घर पहुंचकर जलभराव से हुए नुकसान की जानकारी ली तथा प्रभावित परिवारों से आत्मीय चर्चा कर उन्हें आश्वासन दिया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सतना से चित्रकूट मार्ग पर सियाराम कुटीर स्थित माधव धर्मशाला के समीप अग्रहरि किराना स्टोर पहुंचकर दुकानदार श्री कामता प्रसाद गुप्ता से मुलाकात की और उनकी दुकान में पानी भरने से हुए नुकसान का जायजा लिया। उन्होंने प्रभावितों को भरोसा दिलाया कि इस कठिन समय में सरकार उनके साथ है और सभी प्रभावितों को नियमानुसार हरसंभव राहत एवं सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जिलाधिकारियों से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में चल रहे राहत एवं बचाव कार्यों की जानकारी लेते हुए सभी प्रभावित परिवारों को हर जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन पूरी तत्परता, समर्पण और संवेदनशीलता के साथ सभी प्रभावितों को राहत सहायता उपलब्ध कराए। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि राहत कार्यों में किसी प्रकार की कोई भी कमी न रहे।

2047 का विकसित भारत केवल लक्ष्य नहीं 140 करोड़ देशवासियों के सामूहिक संकल्प और परिश्रम का परिणाम होगा: सिंधिया

एक सत बुलेटिन, भोपाल

केन्द्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने आज ओरछा में आयोजित मध्यप्रदेश भाजपा कार्यसमिति की बैठक को संबोधित किया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को देश की आगामी यात्रा का आधार बताते हुए कहा कि यह केवल आर्थिक प्रगति का लक्ष्य नहीं, बल्कि ऐसा भारत बनाने का संकल्प है, जहां विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, किसान वैश्विक बाजार से जुड़े, युवा रोजगार देने वाले बनें, बेटियां नेतृत्व करें और भारत आर्थिक, सामाजिक, तकनीकी एवं सामरिक रूप से सशक्त राष्ट्र के रूप में विश्व का नेतृत्व करे। उन्होंने विकसित भारत के निर्माण के लिए प्रधानमंत्री मोदी द्वारा निर्धारित सप्तधारा- मैन्युफैक्चरिंग, कृषि एवं फूड प्रोडक्शन, टेक्नोलॉजी एवं इनोवेशन, गति शक्ति, रक्षा शक्ति, ग्रीन एवं ब्लू इकोनॉमी तथा भारत की सॉफ्ट पावर को अगले दो दशकों के परिवर्तन का रोडमैप बताया।

सिंधिया ने कहा कि 2014 से पहले के भारत और आज के भारत में सबसे बड़ा अंतर यह है कि आज देश विकास की प्रतीक्षा नहीं कर रहा, बल्कि आत्मविश्वास के साथ अपने भविष्य को स्वयं आकार दे रहा है। भारत आज 7.7 प्रतिशत की विकास दर के साथ दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में है।

मन की बात में बोले प्रधानमंत्री मोदी

अगस्त में देखने को मिलते हैं देशभक्ति के अनेक रंग

एजेन्सी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अगस्त महीने को देशभक्ति की भावना से ओत-प्रोत बताते हुए कहा है कि इस महीने हर तरफ देशप्रेम के अनेक रंग देखने को मिलते हैं। पीएम मोदी ने अपने मासिक कार्यक्रम मन की बात में रविवार को कहा कि अगस्त आते ही हर व्यक्ति के मन में राष्ट्र-प्रेम की भावना और अधिक प्रबल हो जाती है। राष्ट्रीय हथकरघा दिवस, भारत छोड़ो आंदोलन की वर्षगांठ और विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस जैसे अवसर इस महीने को विशेष बनाते हैं।

उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस और राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस हर देशवासी को गर्व से भर देते हैं। वहीं, हर घर तिरंगा अभियान देशभक्ति की भावना को और मजबूत करता है। उन्होंने कहा

कि वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने के कारण यह वर्ष और भी विशेष हो गया है। उन्होंने कि इस बार आठ करोड़ से अधिक तिरंगा सेल्फी अपलोड की गईं, जो देशवासियों के उत्साह और राष्ट्रप्रेम को दशार्ती हैं।

उन्होंने कहा कि तिरंगे का यह उत्सव केवल भारत तक सीमित नहीं रहा। इस वर्ष सूर्यपथ तिरंगा के माध्यम से राष्ट्रीय ध्वज ने दुनिया भर में एक अनोखी यात्रा की। फिजी की राजधानी सुवा में सूरज की पहली किरण के साथ तिरंगा फहराया गया और इसके बाद एशिया, अफ्रीका, यूरोप होते हुए अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को तक भारतीय मिशनों और पोस्ट पर तिरंगा लहराता गया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जैसे-जैसे दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में सूरज आगे बढ़ता गया, वैसे-वैसे भारतीय तिरंगा भी लहराता रहा। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयास समाज को एक सूत्र में पिरोने का काम करते हैं और देश के साथ लोगों का जुड़ाव और गहरा करते हैं। प्रधानमंत्री ने हर घर तिरंगा और सूर्यपथ तिरंगा जैसे प्रयासों में शामिल सभी लोगों को बधाई देते हुए कहा कि राष्ट्रप्रेम की ऐसी सामूहिक अभिव्यक्तियां देश की एकता और गौरव को और मजबूत करती हैं।

श्री राम सेना बोली- दलितों का अपमान किया

उत्तराखंड में राहुल गांधी के खिलाफ FIR शुद्धीकरण विवाद में SC/ST एक्ट की धाराएं लगीं

एजेन्सी, देहरादून

हल्द्वानी के रामलीला मैदान में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की सभा के बाद हुए कथित शुद्धीकरण विवाद में अब कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ FIR दर्ज हो गई है। हल्द्वानी कोतवाली पुलिस ने शुद्धीकरण कार्यक्रम में शामिल रहे अमित कुमार की शिकायत पर राहुल गांधी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

FIR नंबर 297/26 में राहुल गांधी के खिलाफ BNS की धारा 196, धारा 299 और SC/ST एक्ट की धारा 3(1)(q) लगाई गई है। लेकर राहुल गांधी की टिप्पणी से दलित समाज की भावनाएं आहत हुई हैं। शिकायतकर्ता अमित कुमार ने राहुल गांधी पर उनके बयान से दलित समाज और शुद्धीकरण कार्यक्रम में शामिल लोगों के अपमान का आरोप लगाया था।

इससे पहले इस मामले में अमित कुमार और विनोद कुमार आर्य ने हल्द्वानी कोतवाली में राहुल गांधी के खिलाफ शिकायत दी थी।

8 अगस्त को खड़गे की सभा के बाद हुआ था शुद्धीकरण

दरअसल, हल्द्वानी के रामलीला मैदान में 8 अगस्त को कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की जनसभा हुई थी। सभा के बाद भाजपा नेताओं और कार्यकताओं की ओर से मैदान में गंगाजल का छिड़काव कर कथित शुद्धीकरण हवन किए जाने को लेकर विवाद शुरू हुआ। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट समेत पार्टी नेताओं ने शुद्धीकरण को लेकर अपनी बात रखी थी।

धर्म, पर्यावरण, मानवीय सोच, कर्तव्य और हिन्दुत्व सहित विभिन्न मुद्दों पर प्रमुख मोहन भागवत ने रखी अपनी बात

अगर कोई कहे भारत में मुस्लिम नहीं होने चाहिए, तो वह हिन्दू नहीं हो सकता

एजेन्सी, न्यूयार्क

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) के सरसंघाचलक प्रमुख मोहन भागवत ने हर इंसान की गरिमा और मानवीय एकता पर जोर देते हुए कहा है कि किसी व्यक्ति के धर्म के आधार पर उसके अस्तित्व को नकारना हिन्दुत्व की सोच नहीं हो सकती है और अगर कोई व्यक्ति मुसलमानों को भारत से बाहर निकालने की बात करता है, तो वह हिन्दू नहीं हो सकता। मोहन भागवत ने अमेरिका में न्यूयॉर्क के मैडिसन स्क्वायर गार्डन में शनिवार रात वन वर्ल्ड वन ूमैनिटी कार्यक्रम में धर्म, पर्यावरण, मानवीय सोच, कर्तव्य और हिन्दुत्व सहित विभिन्न मुद्दों पर अपनी बात रखी।

उन्होंने करीब 42 मिनट के अपने संबोधन के दौरान एक पुराने संवाद का जिक्र करते हुए बताया कि मुस्लिम समुदाय के कुछ लोगों ने उनसे पूछा था कि आरएसएस हिन्दू संगठन है और हिन्दू राष्ट्र की बात करता है, तो मुस्लिमों का क्या होगा। क्या उन्हें भारत से बाहर कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा, मैंने उन्हें जवाब दिया था कि ऐसा करना हिन्दुत्व नहीं है। अगर कोई हिन्दू यह सोचता है कि भारत में कोई मुस्लिम नहीं होना चाहिए, तो वह हिन्दू नहीं है।

इस दौरान संघ प्रमुख ने हिन्दुत्व का मतलब समझाते हुए कहा कि हिन्दुत्व किसी समुदाय को बाहर करने की सोच से अलग है। सभी रास्ते एक ही लक्ष्य ईश्वर की ओर जाते हैं और हर इंसान की गरिमा है। उन्होंने कहा कि एकता और विविधता भारत के डीएनए में है। लोग अलग-अलग दिखते हैं, उनके रहने के अपने-अपने तरीके हैं, लेकिन सभी के बीच एक जन्मजात जुड़ाव है। मोहन भागवत ने कहा कि विविधता में एकता भारत की पारंपरिक सोच है और देश समय-समय पर पूरी दुनिया को इसका एहसास कराता रहा है। उन्होंने कहा कि सोचने की क्षमता इंसान के लिए एक वरदान है। सही सोच इंसान को ईश्वर के करीब ले जाती है, जबकि गलत सोच उसे जानवरों के

करीब ले जाती है। मोहन भागवत ने कहा कि मौजूदा समय में दुनिया में धर्मों की पहचान मुख्य रूप से रीति-रिवाजों से होती है। किसी धार्मिक अनुशासन का पालन करने और ईश्वर तक पहुंचने के उस रास्ते पर चलने के लिए रीति-रिवाजों का यह अनुशासन बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा, मैं कोई धर्म-विशेषज्ञ या धार्मिक गुरु नहीं हूं, लेकिन ऐसे समाज में काम कर रहा हूं, जो कहता है कि धर्म भले अलग-अलग हों, लेकिन इंसानियत एक है। सत्य एक है और इंसानियत उसी सत्य की उपज है। सत्य का वर्णन कई तरह किया जाता है।

उन्होंने इस दौरान कहा, अगर हम समाज को लगातार शिक्षित नहीं करते हैं तो उसमें कमियां या भटकाव आ जाते हैं। इतिहास के दौरान ऐसा ही कुछ हुआ है। मैं ठीक उस पल की ओर इशारा नहीं कर सकता। उसके बाद हमारा समाज और हमारा देश विदेशी हमलों का शिकार बना और बहुत सी चीजें खो गई। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में दुनिया में दो तरह की प्रवृत्तियां दिखाई देती हैं, जिसमें एक कहती है, ह्जियो और जीने दो तो दूसरी कहती है- जियो और केवल उन्हें जीने दो, जो हमारी बात मानें। जो लोग यह कहते हैं कि अगर आप हमारी बात मानेंगे तो हम आपकी रक्षा करेंगे, वे दूसरों की रक्षा को अपनी शर्तों से जोड़ते हैं। जो केवल अपनी बात मानने वालों की रक्षा करते हैं, उन्हें राक्षस कहा जाता है।

संघ प्रमुख ने इस सोच के विपरीत ऐसी सोच की जरूरत बतायी, जिसमें यह मायने नहीं रखता कि दूसरा व्यक्ति किसी की बात मानता है या नहीं, किसी की बात सुनता है या नहीं, किसी के बारे में क्या सोचता है या किसी के लिए कितना उपयोगी है। उन्होंने कहा, सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हम सभी मनुष्य हैं। जीवन को बनाये रखने के लिए बंधुत्व और आपसी अपनत्व के साथ रहना जरूरी है। उन्होंने कहा कि दुनिया में भले ही लोगों के बीच कई तरह की भौतिक और सामाजिक भिन्नताएं हों, लेकिन सभी मनुष्यों के भीतर एक समान तत्व मौजूद है। उन्होंने कहा, हम एकत्व से जुड़े हैं और विविधता से सुसज्जित हैं. विविधता प्राकृतिक है और एकता ही सत्य है।

सिंगरौली में पति-पत्नी बहे, बाणसागर डैम के 6 गेट खुले

बाढ़ में 6 लोग फंसे, मंदाकिनी उफान पर, सतना में 1 सितंबर तक स्कूल बंद

■ एक सत बुलेटिन, जबलपुर

मध्यप्रदेश में भारी बारिश के बाद कई जिलों में बाढ़ के हालात बन गए हैं। चित्रकूट में मंदाकिनी नदी करीब 30 फीट उफान पर है। गोरगी बांध फूटने से कई इलाकों में पानी भर गया, जबकि तेज बहाव में रामघाट का बड़ा पुल बह गया। घरों और सड़कों पर मिट्टी, कचरा और कीचड़ जमा है। छ्रमोहन यादव रविवार को चित्रकूट में बाढ़ प्रभावित इलाकों का जायजा लिया। आश्रय स्थल में प्रभावित लोगों से मुलाकात कर राहत सामग्री बांटी। सीएम ने चित्रकूट में अतिक्रमण को भी बाढ़ की संभावित वजह माना है। वहीं, सतना ने में 31 अगस्त से 1 सितंबर तक स्कूलों की छुट्टी कर दी गई है। वहीं, शहडोल का बाणसागर डैम भी लबालब हो चुका है। पानी की आवक 808.64 क्यूमेक्स थी, जो 12 घंटे में बढ़कर 2677.29 क्यूमेक्स हो गई। पिछले साल की तुलना में इस बार जलस्तर 13 सेंटीमीटर अधिक है। दोपहर 12 बजे डैम के 6 गेट खोल दिए गए हैं। बाढ़ आने से 6 लोग फंस गए। मौसम विभाग ने रविवार को मऊगंज, सीधी, सिंगरौली, उमरिया, शहडोल, डिंडौरी, अनूपपुर, मंडला, सिवनी और बालाघाट में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। शनिवार को सतना, पन्ना, छतरपुर और टीकमगढ़ में भी बाढ़ के हालात बने। सतना में रेलवे ट्रैक और थाने तक पानी में डूब गए, जबकि पन्ना में कई गांव टापू बन गए। सती अनुसुइया में पानी रेलिंग तक पहुंच गया।

सड़कों पर नाव चलाने की नौबत आ गई। हालांकि, अभी स्थिति सामान्य होती जा रही है। शहडोल के बाणसागर डैम के 6 गेट खुलने से सुखाड़ नदी में फंसे 6 लोगों का रेस्क्यू पूरा कर लिया गया। मछली पकड़ने गए लोग अचानक बढ़े जलस्तर और तेज बहाव के कारण नदी में फंस गए थे। पहले 5 लोगों को निकाला गया, जबकि चट्टान पर फंसे छठे व्यक्ति को भी रेस्क्यू टीम ने सुरक्षित बाहर निकाल लिया। जिला प्रशासन, पुलिस और होमगार्ड की टीम ने कई घंटे की मशक्कत के बाद सभी को सुरक्षित निकाला। सिंगरौली के बरगवां थाना क्षेत्र के ओड़ड़गड़ी गांव में घर में परिवार के फंसे होने की सूचना स्टेट कमांड सेंटर से मिली। सूचना मिलते ही होमगार्ड और स्ष्ठक्रस्न की टीम आपदा उपकरणों के साथ मौके के लिए रवाना हुई। मुख्यालय से करीब 40 किलोमीटर दूर गांव पहुंचकर टीम ने राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। टीम ने अवध कुमार साकेत (40), शांति देवी साकेत (35), विराट देव साकेत (13), रुद्र देव साकेत (9) और परिधि साकेत (11) समेत घर में फंसे अन्य लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

कृष्ण के विभिन्न स्वरूपों में सजी मनोहारी मटकियां

जबलपुर। गोपिकाओ की मटकी में श्रीकृष्ण के प्रति प्रेम, दुलार और स्नेह माखन बनकर भरा रहता है। मटकी का कठोर आवरण पूर्व जन्मों का अंहकार, राग व्देष है इसलिए श्रीकृष्ण माखन चोरी की लीला में माखन ग्रहण कर लेते हैं और अंहकार रूपी मटकी को फोड़कर सभी गोपियों के जीवन को कृतार्थ करते हैं। द्वापर युग में सुंदर सुंदर मटकी सजाकर श्रीकृष्ण को रिझाती थी। बच्चों को धर्म अध्यात्म और संस्कारों से परिचित कराने प्रतियोगिता सबसे अच्छा माध्यम है उक्त उद्गार जगतगुरु नरसिंह पीठाधीश्वर डॉक्टर स्वामी नरसिंह देवाचार्य जी महाराज ने सनातन धर्म महासभा जबलपुर के तत्वावधान में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पूर्व 10 दिवसीय आयोजनों की श्रृंखला में गोपाल मंदिर घमापुर में आयोजित मटकी सजाओ प्रतियोगिता के उदधाटन अवसर पर आशीर्वचन में कहे। श्रीकृष्ण एक रुप अनेक विषय पर केंद्रित मटकी सजाओ प्रतियोगिता में श्रीराधाकृष्ण, बाल गोपाल, माखन चोर, जगन्नाथ दाऊ बलभद्र सुभद्रा मैया सहित बहुत सुंदर सुंदर रंग-बिरंगे मोती, मोरपंख, कविता दुबे, डॉ वाणी अहुलवलिया, नेहा जेठा के संयोजन में आयोजित मटकी सजाओ प्रतियोगिता में भाग लिया।

यशराज के सम्मान से गोटेगांव का बढ़ा गौरव, एसकेएमजी द्वारा सम्मानित

■ एक सत बुलेटिन, गोटेगांव

क्षेत्र के प्रतिभावान खिलाड़ी यशराज जैन के जन्मदिन के अवसर पर रविवार को नेताजी सुभाष चंद्र बोस मिनी स्टेडियम में स्वागत एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल 'मुन्ना भैया' के निर्देश पर सहयोग क्रीड़ा मंडल, गोटेगांव द्वारा आयोजित किया गया। यशराज जैन ने डिस्कस थ्रो में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जूनियर स्टेट रिकॉर्ड अपने नाम किया है। वे कई बार राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतकर गोटेगांव एवं नरसिंहपुर जिले का नाम रोशन कर चुके हैं। समारोह में उपस्थित अतिथियों एवं खेलप्रेमियों ने यशराज का स्वागत कर उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।कार्यक्रम में गोटेगांव विधायक महेंद्र नागेश, अनिल केशरवानी, गोविंद जैन 'भूरे', पंकज चौकसे, राजकुमार जैन, सत्यनारायण मिश्रा, देवदत्त पचौरी, उमाशंकर साहू, त्रिभुवन साहू, उमाशंकर छिरा, जितेंद्र चौबे सहित एसकेएमजी के समस्त कोच एवं खेल जगत से जुड़े पदाधिकारी उपस्थित रहे। खेल रत्न समारोह में सहयोग क्रीड़ा मंडल को मिली शील्ड विगत दिवस मानस भवन, जबलपुर में आयोजित महाकोशल क्रीड़ा परिषद के 'महाकोशल खेल रत्न अलंकरण समारोह' में खेलों के क्षेत्र में निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन एवं योगदान के लिए सहयोग क्रीड़ा मंडल, गोटेगांव को शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया प्रशिक्षकों और खेल जगत से जुड़े सभी लोगों के निरंतर परिश्रम एवं समर्पण का गौरव माना जा रहा है।

कजलियां मिलन एवं सम्मान समारोह दुर्गा मंदिर धनवंतरी नगर में संपन्न

■ एक सत बुलेटिन, जबलपुर

धार्मिक विकास समिति द्वारा सामाजिक सौहाद्र, समरसता और भाई चारे का प्रतीक कजलियां मिलन एवं मध्य प्रदेश हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के नव निर्वाचित सचिव एड.असीम त्रिवेदी व उपाध्यक्ष एड. सत्येंद्र ज्योतिषी का सम्मान समारोह दुर्गा मंदिर धनवंतरी नगर में संपन्न हुआ । समारोह में उपस्थित जनों ने एक दूसरे को प्रेम और सौहाद्र से कजलियां भेंटकर उत्तम स्वास्थ्य और सुख शांति की कामना की। सम्मानित किए गए बार एसोसिएशन के सचिव एड. असीम त्रिवेदी व उपाध्यक्ष एड. सत्येंद्र ज्योतिषी ने गरीबों ,असहायों, पीड़ितों और शोषितों की हर संभव मदद का संकल्प लिया।

समिति के अध्यक्ष के. के. शुक्ला व डॉ .एच.पी. तिवारी ने सम्मानित अधिवक्ताओं के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डाला। समारोह में डॉ.गोपाल दास रावत,राम छवि महाराज,सतीश दुबे,प्रदीप बाधवा,राजकुमार गोलहानी, चंद्रा दिक्षित ,पंकजा शुक्ला,विवेक नायक, रत्नेश मिश्रा,डी. एस.जाटव, के. एम. श्रीवास्तव व नीरज दुबे सहित बड़ी संख्या में धर्म प्रेमी उपस्थित थे।

मंदिर में पहुंचा मां लक्ष्मी का वाहन उल्लू श्रद्धालुओं ने माना शुभ संकेत

■ एक सत बुलेटिन, जबलपुर

गढ़ाफाटक स्थित प्रसिद्ध श्री बड़ी महाकाली काली धाम में शनिवार की रात उस समय श्रद्धालुओं के बीच कौतूहल और आस्था का माहौल बन गया, जब मां लक्ष्मी का वाहन माने जाने वाला उल्लू मंदिर प्रांगण के भीतर आकर काफी देर तक बैठा रहा। मंदिर में मौजूद श्रद्धालुओं ने इसे महज संयोग न मानकर शुभ संकेत के रूप में देखा। उल्लू को मंदिर परिसर में काफी देर तक बैठे देखकर धीरे-धीरे श्रद्धालुओं की नजर उस ओर गई और देखते ही देखते वहां लोगों का जमावड़ा लग गया। श्रद्धालु अपने-अपने स्तर पर इस घटना के अलग-अलग धार्मिक अर्थ निकालते नजर आए। किसी ने इसे मां लक्ष्मी की कृपा का संकेत माना तो किसी ने इसे आने वाले समय में सुख-समृद्धि और धन-धान्य की वृद्धि से जोड़कर देखा। इस दौरान मंदिर परिसर में मौजूद श्रद्धालुओं के बीच चर्चा का दौर भी चलता रहा। खास बात यह रही कि श्रद्धालुओं ने इस घटना को मंदिर में होने वाले आगामी धार्मिक आयोजन से भी जोड़कर देखना शुरू कर दिया। गौरतलब है कि इस वर्ष माता रानी को सवा किलो सोने का मुकुट चढ़ाया जाना प्रस्तावित है। ऐसे में मां लक्ष्मी के वाहन उल्लू का मंदिर परिसर में आना श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का विषय बन गया। कई श्रद्धालु इस घटना को माता रानी के प्रति अपनी आस्था और आगामी स्वर्ण मुकुट अर्पण से जोड़कर शुभ संकेत के रूप में देख रहे हैं। हालांकि, धार्मिक मान्यताओं के अपने-अपने अर्थ होते हैं और उल्लू का मंदिर में आना एक प्राकृतिक घटना भी हो सकती है, लेकिन आस्था के नजरिए से श्रद्धालुओं के लिए यह दृश्य बेहद खास रहा। शनिवार की रात मंदिर परिसर में कुछ देर के लिए यह घटना चर्चा और कौतूहल का केंद्र बनी रही। श्रद्धालुओं का कहना था कि माता रानी के दरबार में होने वाली हर घटना उनके लिए आस्था और विश्वास से जुड़ी होती है, इसलिए मंदिर प्रांगण में उल्लू का इस तरह आकर बैठना उनके लिए किसी शुभ संदेश से कम नहीं।

सूने मकान का ताला तोड़कर लाखों के जेवर ले उड़े चोर

जबलपुर। अधारताल थाना क्षेत्र के न्यू कंचनपुर में चोरों ने एक सूने मकान को निशाना बनाते हुए लाखों रुपए के सोने-चांदी के जेवर और नकदी पर हाथ साफ कर दिया। वारदात के समय मकान मालिक के माता-पिता रिश्तेदारी में गए हुए थे। रात करीब 10 बजे घर लौटने पर चोरी का पता चला। पुलिस के अनुसार न्यू कंचनपुर निवासी साहिल बिहुनिया के माता-पिता घर में ताला लगाकर पनेहरा स्थित अपने रिश्तेदार के घर गए थे। इसी दौरान अज्ञात चोरों ने मकान के बाहर के दरवाजे का ताला तोड़ा और अंदर दाखिल हो गए।

गुरंदी बाजार बना अघोषित कचरा डंपिंग जोन! दुर्गंध से व्यापारी परेशान, निगम के स्वच्छता दावों पर उठे सवाल

■ एक सत बुलेटिन, जबलपुर

शहर के सबसे पुराने और प्रमुख बाजारों में शुमार गुरंदी बाजार इन दिनों अपनी पहचान से ज्यादा कचरे और गंदगी को लेकर चर्चा में है। बाजार के बीचों-बीच नगर निगम का अघोषित कचरा डंपिंग जोन बना हुआ है, जहां छोटी-छोटी गाड़ियां दिनभर कचरा लाकर डंप करती हैं। इसके बाद जेसीबी के जरिए कचरे को उठाया जाता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कचरा यहां से नियमित रूप से नहीं उठता और कई बार दो दिन तक कचरा पड़ा रहता है। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि यह कचरा डंपिंग प्वाइंट नवनिर्मित मछली मार्केट के ठीक बगल में बनाया गया है। मछली मार्केट का निर्माण पूरा हो चुका है, सफाई भी कराई गई है और बोर्ड भी लगाए जा चुके हैं, लेकिन अभी तक यहां पूरी तरह से मछली का कारोबार शुरू नहीं हो पाया है। मार्केट आखिर कब पूरी तरह शुरू होगा, इसकी स्पष्ट जानकारी स्थानीय व्यापारियों तक को नहीं है। ऐसे में एक तरफ नया बाजार तैयार है, वहीं दूसरी तरफ उसके ठीक बगल में कचरा डंप होने से इलाके की तस्वीर सवाल खड़े कर रही है। स्थानीय व्यापारियों के मुताबिक कचरा जमा होने के बाद यहां से उठने वाली दुर्गंध इतनी तेज हो जाती है कि आसपास बैठकर व्यापार करना मुश्किल हो जाता है। व्यापारियों को कई बार नाक बंद करके दुकान पर बैठना पड़ता है। व्यापारियों का कहना है कि कचरे के कारण ग्राहक भी परेशान होते हैं और बाजार का माहौल लगातार खराब हो रहा है। गंदगी और दुर्गंध के चलते व्यापार पर भी असर पड़ने की बात कही जा रही है। स्थानीय लोगों में इस बात को लेकर नाराजगी है कि समस्या लंबे समय से बनी हुई है, लेकिन इसका स्थायी समाधान नहीं हो रहा। उनका कहना है कि शिकायत करने के बावजूद व्यवस्था में अपेक्षित सुधार नजर नहीं आता। व्यापारियों का सवाल है कि यदि बाजार में ही कचरा जमा किया जाना है, तो फिर शहर में स्वच्छता व्यवस्था और स्वच्छता सर्वेक्षण के बड़े-बड़े दावों का क्या मतलब रह जाता है? नगर निगम स्वच्छता सर्वेक्षण में बेहतर प्रदर्शन और शहर को साफ-सुथरा रखने के दावे करता है, लेकिन गुरंदी बाजार की मौजूदा स्थिति इन दावों की जमीनी हकीकत पर सवाल खड़े करती नजर आती है। कचरे के साथ-साथ बाजार में जगह-जगह कीचड़ ही कीचड़ नजर आने की बात स्थानीय लोग बता रहे हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि जब शहर के पुराने और व्यस्त बाजारों में ही स्वच्छता व्यवस्था इस तरह चरमराई हुई है, तो स्वच्छता सर्वेक्षण की तैयारियों का वास्तविक असर जमीन पर कितना है?

न्यू रांझी लॉयर्स फोरम की कार्यकारिणी गठित

जबलपुर। न्यू रांझी लॉयर्स फोरम, रांझी के अधिवक्ताओं की आवश्यक बैठक राधा कृष्ण मंदिर, रांझी में आयोजित हुई। बैठक में फोरम के गठन, कार्यप्रणाली और आगामी गतिविधियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।बैठक में सर्वसम्मति से फोरम की गतिविधियों के संचालन के लिए कार्यकारिणी समिति का गठन किया गया। इसमें प्रमोद त्रिपाठी को अध्यक्ष, गोविंद दास अहिरवार को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, प्रवेश कोल्हेकर को उपाध्यक्ष, प्रहलाद चौधरी को सचिव, मुकेश पाटकर को सह-सचिव तथा नीरज वर्मा को कोषाध्यक्ष/प्रबंधन की जिम्मेदारी सौंपी गई।बैठक में निर्णय लिया गया कि जल्द ही फोरम के नए सदस्यों के पंजीयन फॉर्म जारी किए जाएंगे। इसके साथ ही संगठन के विस्तार और अधिक से अधिक अधिवक्ताओं को फोरम से जोड़ने की प्रक्रिया प्रारंभ करने पर भी सहमति बनी। अनिल अहिरवार और नितिन कुशवाहा सहित अन्य अधिवक्तागण उपस्थित रहे।

एमपीएमएसयू के विभाजन को चुनौती देने की तैयारी, अधिसूचना के खिलाफ कोर्ट में याचिका

■ एक सत बुलेटिन, जबलपुर।

मध्यप्रदेश में मेडिकल यूनिवर्सिटी के विभाजन को लेकर नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच ने आपत्ति जताई है। मंच के अध्यक्ष डॉ. पी.जी. नाजपांडे ने आरोप लगाया कि मेडिकल यूनिवर्सिटी के विभाजन के बाद जबलपुर मेडिकल यूनिवर्सिटी का क्षेत्राधिकार बेहद सीमित होकर रह गया है। मंच का दावा है कि अब यह केवल चार संभागों के क्षेत्र में सीमित रह गई है और देश की सबसे छोटी मेडिकल यूनिवर्सिटी बन गई है। मंच की ओर से जारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि मेडिकल यूनिवर्सिटी के विभाजन संबंधी नोटिफिकेशन मध्यप्रदेश के राज्यपाल के आदेशानुसार अतिरिक्त सचिव निधि खरे द्वारा 21 अगस्त 2026 को मध्यप्रदेश राजपत्र (असाधारण) में प्रकाशित किया गया है। मंच ने इसी नोटिफिकेशन को विभाजन की औपचारिक प्रक्रिया से जोड़ते हुए इसका विरोध किया है डॉ. पी.जी. नाजपांडे के अनुसार मेडिकल यूनिवर्सिटी के विभाजन में दो बराबर हिस्से किए जाने की मांग को लेकर राज्यपाल के प्रमुख सचिव डॉ. नवीन कोठारी को अपील भेजी गई थी। मंच का कहना है कि अपील में तर्क दिया गया था कि बराबर हिस्से नहीं होने से भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14 का उल्लंघन होता है, लेकिन यह अपील खारिज कर दी गई।विज्ञप्ति में यह भी कहा गया है कि पूर्व अपर मुख्य सचिव अशोक वर्णवाल से भी इस मुद्दे पर दूरभाष के माध्यम से चर्चा की गई थी और जबलपुर का पक्ष रखा गया था, लेकिन मंच के अनुसार इस संबंध में दिए गए निवेदन को टाल दिया गया। मंच ने दावा किया कि देश के किसी अन्य प्रदेश में मेडिकल यूनिवर्सिटी का इस प्रकार विभाजन नहीं किया गया है। मंच की ओर से यूजीसी तथा केंद्र सरकार को पत्र भेजकर इस स्थिति से अवगत कराने की बात कही गई है। नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच ने अब मेडिकल यूनिवर्सिटी के विभाजन संबंधी राजपत्र नोटिफिकेशन को न्यायालय में चुनौती देने का निर्णय लिया है।बैठक में रजत भार्गव, एडवोकेट वेदप्रकाश अधोलिया, मनीष शर्मा, डॉ. ए.बी. श्रीवास्तव, सुशीला कनाडिया, गीता पांडे और यशवंत कोठा सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

मंच के अध्यक्ष डॉ. पी.जी. नाजपांडे ने कहा कि मेडिकल यूनिवर्सिटी के विभाजन को लेकर जबलपुर के हितों और क्षेत्रीय संतुलन को ध्यान में रखते हुए कानूनी लड़ाई आगे भी जारी रखी जाएगी।

आंखों पर पट्टी बांधकर महसूस किया अंधत्व का दर्द

नेत्रदान जागरूकता के लिए ब्लाइंड फोल्डेड वॉक रैली का आयोजन

■ एक सत बुलेटिन, जबलपुर।

राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़े के अवसर पर समदृष्टि क्षमता विकास एवं अनुसंधान मंडल (सक्षम) एवं दादा वीरेंद्रपुरी जी रोटरी नेत्र बैंक के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार, 30 अगस्त को 'ब्लाइंड फोल्डेड वॉक' (अंधत्व की अनुभूति रैली) का आयोजन किया गया। रैली का शुभारंभ प्रातः 8:30 बजे होटल सत्य अशोका, राइट टाउन स्टेडियम से हुआ। रैली में संस्कारधानी के नागरिकों ने आंखों पर काली पट्टी बांधकर अंधत्व की अनुभूति की। प्रतिभागी होटल सत्य अशोका से तीन पत्ती चौक, मालवीय चौक, भारत माता चौक, सिविक सेंटर होते हुए वंदे मातरम उद्यान पहुंचे, जहां रैली का समापन हुआ। कार्यक्रम के उद्देश्य की जानकारी देते हुए डॉ. पवन स्थापक ने बताया कि रैली का मुख्य उद्देश्य समाज को यह अहसास कराना था कि दृष्टिबाधित लोगों का जीवन किन कठिनाइयों से गुजरता है। उन्होंने कहा कि नेत्रदान जैसा छोटा-सा कदम किसी व्यक्ति के अंधेरे जीवन में रोशनी ला सकता है। आंखों पर पट्टी बांधकर कुछ कदम चलने के माध्यम से लोगों ने उस चुनौती को महसूस किया, जिसका

सामना दृष्टिहीन भाई-बहन प्रतिदिन करते हैं। रैली में समस्त रोटरी क्लब, स्टेडियम परिवार, गुड मॉर्निंग क्लब, जबलपुर डिविजनल ऑप्थेल्मिक सोसाइटी, आईएमए जबलपुर, सुप्रभातम परिवार, अखिल विश्व गायत्री परिवार, महाकोशल चैंबर ऑफ कॉमर्स, जबलपुर चैंबर ऑफ कॉमर्स, दादा वीरेंद्रपुरी जी नेत्र संस्थान (देवजी नेत्रालय), दृष्टिहीन कन्या शाला, शासकीय दृष्टिहीन विद्यालय और इनरव्हील क्लब जबलपुर सहित विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम में महापौर जगत बहादुर सिंह, विधायक इंदु तिवारी, विधायक विनय सक्सेना, पार्षद कमलेश अग्रवाल, जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन, डॉ. पवन स्थापक, सुधांशु गुप्ता, रवि गुप्ता, पीयूष जैन, देवेंद्र सोनी, डॉ. आयुष टंडन, डॉ. ऋचा शर्मा, अजीत दुबे, डॉ. एम.के. स्थापक, श्रीनिवास राव, बी.बी. शर्मा, सुनील फाटक, मोहित तिवारी, प्रभव माहेश्वरी, संतोष विश्वकर्मा, धर्मेंद्र प्रताप सिंह, अशोक परयानी, डॉ. अंकित सेठ, पूनमचंद मिश्रा, संतोष जैन, संदीप अग्रवाल, डॉ. अर्पिता स्थापक, डॉ. अपूर्वा स्थापक, एडवोकेट अपर्णा स्थापक, श्रीमती अनुपमा स्थापक, डॉ. सोनिया टंडन, अंशुल ज्योतिषी और शिवम पाठक सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। विध्येश भापकर, डॉ. एच.पी. तिवारी, प्रमोद पटेल, डॉ. सचिन बुधेलिया, डॉ. संदीप मिश्रा और डॉ. उपासना सहित अन्य लोगों ने भी सहभागिता की।

फरीदाबाद स्टेशन पर चल रहा पुनर्विकास कार्य

फरीदाबाद स्टेशन पर काम के कारण रेल यातायात में अस्थायी बदलाव

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

उत्तर रेलवे के दिल्ली मंडल में हजरत निजामुद्दीन-पलवल रेलखंड पर स्थित फरीदाबाद स्टेशन के पुनर्विकास कार्य के अंतर्गत प्लेटफॉर्म संख्या 2 एवं 3 तथा लाइन संख्या 4 एवं 5 पर पावर एवं ट्रैफिक ब्लॉक लिया जा रहा है। इसके कारण भोपाल मंडल के भोपाल एवं इटारसी स्टेशनों से होकर चलने वाली कुछ ट्रेनों के फरीदाबाद स्टेशन पर ठहराव में अस्थायी बदलाव किया गया है। यात्रियों की सुविधा एवं सुरक्षित रेल परिचालन को ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित गाड़ियों का फरीदाबाद स्टेशन पर निर्धारित अवधि में ठहराव नहीं होगा– फरीदाबाद स्टेशन पर डाउन दिशा की ट्रेनों का ठहराव नहीं 1. गाड़ी संख्या 12919 डॉ. अंबेडकर नगर-श्री माता वैष्णो देवी कटरा मालवा एक्सप्रेस का फरीदाबाद स्टेशन पर 31 अगस्त 2026 से 14 अक्टूबर 2026 तक ठहराव नहीं होगा। 2. गाड़ी संख्या 14309 लक्ष्मीबाई नगर-योग नगरी ऋषिकेश उज्जैनी एक्सप्रेस का फरीदाबाद स्टेशन पर 31 अगस्त 2026 से 14 अक्टूबर 2026 तक ठहराव नहीं होगा। 3. गाड़ी संख्या 14317 लक्ष्मीबाई नगर-योग नगरी ऋषिकेश एक्सप्रेस का फरीदाबाद स्टेशन पर 31 अगस्त 2026 से 14 अक्टूबर 2026 तक ठहराव नहीं होगा। 4. गाड़ी संख्या 12615 पुरच्चि थलैवर डॉ. एम.जी.आर. चेन्नई सेंट्रल-नई दिल्ली ग्रैंड ट्रंक एक्सप्रेस का फरीदाबाद स्टेशन पर 30 अगस्त 2026 से 13 अक्टूबर 2026 तक ठहराव नहीं होगा। 5. गाड़ी संख्या 18477 पुरी-योग नगरी ऋषिकेश एक्सप्रेस का

फरीदाबाद स्टेशन पर 30 अगस्त 2026 से 13 अक्टूबर 2026 तक ठहराव नहीं होगा। 6. गाड़ी संख्या 12625 तिरुवनंतपुरम सेंट्रल-नई दिल्ली केरल सुपरफास्ट एक्सप्रेस का फरीदाबाद स्टेशन पर 30 अगस्त 2026 से 13 अक्टूबर 2026 तक ठहराव नहीं होगा। 7. गाड़ी संख्या 11077 पुणे-जम्मूतवी एक्सप्रेस का फरीदाबाद स्टेशन पर 31 अगस्त 2026 से 14 अक्टूबर 2026 तक ठहराव नहीं होगा। फरीदाबाद स्टेशन पर अप दिशा की ट्रेनों का ठहराव नहीं 1. गाड़ी संख्या 12138 फिरोजपुर कैंट-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस पंजाब मेल का फरीदाबाद स्टेशन पर 31 अगस्त 2026 से 14 अक्टूबर 2026 तक ठहराव नहीं होगा। 2. गाड़ी संख्या 19326 अमृतसर-इंदौर जंक्शन एक्सप्रेस का फरीदाबाद स्टेशन पर 01 सितंबर 2026 से 15 अक्टूबर 2026 तक ठहराव नहीं होगा। 3. गाड़ी संख्या 11450 श्री माता वैष्णो देवी कटरा-जबलपुर एक्सप्रेस का फरीदाबाद स्टेशन पर 31 अगस्त 2026 से 14 अक्टूबर 2026 तक ठहराव नहीं होगा। 4. गाड़ी संख्या 16032 श्री माता वैष्णो देवी कटरा-पुरच्चि थलैवर डॉ. एम.जी.आर. चेन्नई एक्सप्रेस (अंडमान एक्सप्रेस) का फरीदाबाद स्टेशन पर 31 अगस्त 2026 से 14 अक्टूबर 2026 तक ठहराव नहीं होगा। 5. गाड़ी संख्या 16318 श्री माता वैष्णो देवी कटरा-कन्याकुमारी हिमसागर एक्सप्रेस का फरीदाबाद स्टेशन पर 31 अगस्त 2026 से 14 अक्टूबर 2026 तक ठहराव नहीं होगा। 6. गाड़ी संख्या 19020 हरिद्वार जंक्शन-बांद्रा टर्मिनस एक्सप्रेस का फरीदाबाद स्टेशन पर 01 सितंबर 2026 से 15 अक्टूबर 2026 तक ठहराव नहीं होगा। 7. गाड़ी संख्या 12920 श्री माता वैष्णो देवी कटरा-डॉ. अंबेडकर नगर मालवा एक्सप्रेस का फरीदाबाद स्टेशन पर 01 सितंबर 2026 से 15 अक्टूबर 2026 तक ठहराव नहीं होगा। 8. गाड़ी संख्या 19308 ऊना हिमाचल-इंदौर जंक्शन एक्सप्रेस का फरीदाबाद स्टेशन पर 01 सितंबर 2026 से 15 अक्टूबर 2026 तक ठहराव नहीं होगा। रेल प्रशासन यात्रियों से अनुरोध करता है कि फरीदाबाद स्टेशन के पुनर्विकास कार्य के कारण किए गए इन अस्थायी परिचालन परिवर्तनों को ध्यान में रखते हुए अपनी यात्रा की योजना बनाएं।

ओरछा में भाजपा की प्रदेश कार्यसमिति बैठक, डॉ. नरोत्तम मिश्रा भी हुए शामिल

दो दिन चलेगा सियासी मंथन, संगठन को मजबूत करने की बनेगी रणनीति

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

भारतीय जनता पार्टी मध्यप्रदेश की दो दिवसीय प्रदेश कार्यसमिति बैठक रविवार से रामराजा सरकार की पावन नगरी ओरछा, जिला निवाड़ी में शुरू हुई। बैठक में पूर्व गृहमंत्री एवं वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ. नरोत्तम मिश्रा भी शामिल हुए। वे अन्य नेताओं के साथ दो दिन ओरछा में रहेंगे। होटल राजमहल/राज विलास में आयोजित बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व के साथ प्रदेश पदाधिकारी, कार्यसमिति सदस्य, जिला अध्यक्ष, जिला प्रभारी, संभाग प्रभारी एवं मोर्चा अध्यक्ष सहित वरिष्ठ नेता भाग ले रहे हैं। बैठक में संगठन को और अधिक मजबूत एवं सक्रिय बनाने के साथ बूथ सशक्तिकरण, संगठन विस्तार, प्रशिक्षण, आगामी कार्यक्रमों और राजनीतिक रणनीति जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर मंथन किया जा रहा है। आगामी संगठनात्मक कार्ययोजना को लेकर भी प्रदेश नेतृत्व द्वारा दिशा तय किए जाने की संभावना है। बैठक में राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल, प्रदेश प्रभारी

डॉ. महेंद्र सिंह, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल, केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया तथा केंद्रीय कार्यालय प्रभारी एवं सांसद तरुण चुघ सहित प्रदेश सरकार के मंत्री और पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद हैं। ओरछा में हो रही इस बैठक को संगठनात्मक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। दो दिनों तक चलने वाले विचार-विमर्श में पार्टी की आगामी गतिविधियों और राजनीतिक दिशा को लेकर अहम फैसले लिए जाने की संभावना हैं।संगठन की मजबूती पर जोर प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने, कार्यकर्ताओं की सक्रियता बढ़ाने और सरकार की योजनाओं को जनता तक पहुंचाने जैसे विषयों पर भी चर्चा होने की संभावना है। पार्टी नेतृत्व आगामी राजनीतिक चुनौतियों को देखते हुए संगठनात्मक रणनीति पर भी मंथन कर रहा है। वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी ओरछा में

आयोजित बैठक में भाजपा के कई वरिष्ठ नेता और प्रदेश पदाधिकारी मौजूद हैं। डॉ. नरोत्तम मिश्रा के शामिल होने से बैठक में पार्टी के आगामी कार्यक्रमों और राजनीतिक दिशा को लेकर चर्चा को भी अहम माना जा रहा है। दो दिवसीय बैठक में संगठन से जुड़े कई महत्वपूर्ण फैसलों और आगामी रणनीति पर सहमति बनने की उम्मीद है।

भव्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ यूएमए ने मनाया ओणम

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

यूनाइटेड मलयाली एसोसिएशन ने मलयालम मिशन के सहयोग से रविवार को हेमा स्कूल, सिक्योरिटी लेन, भेल में ओणम 2026 का भव्य समारोह आयोजित किया। कार्यक्रम में मलयाली समुदाय की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, पारंपरिक कलाओं और सामुदायिक एकता की जीवंत झलक देखने को मिली। श्रम विभाग, मध्यप्रदेश शासन के सचिव रघुराज एम.आर., आईएएस मुख्य अतिथि रहे। सीआरपीएफ भोपाल के एसपी जयन पी. सैमुअल तथा मलयालम सिनेमा-टेलीविजन कलाकार अनीश रवि भी समारोह में शामिल हुए। यूएमएअध्यक्ष ओ.डी जोसेफ ने कहा कि ओणम केवल परंपराओं के पालन का पर्व नहीं, बल्कि इसके मूल संदेश को जीवन में अपनाने का अवसर है। उन्होंने बताया कि यूएमएपिछले दो वर्षों से केरल फेस्ट जैसे आयोजनों के माध्यम से भोपाल में केरल की कला और संस्कृति को बढ़ावा दे रहा है। समारोह की शुरुआत रस्साकशी प्रतियोगिता और अथापूव यानी पुष्प रंगोली प्रतियोगिता से हुई। शाम के सांस्कृतिक कार्यक्रम में मलयालम मिशन के विद्यार्थियों ने प्रस्तुतियां दीं। चेंडा मेलम के साथ राजा महाबली का पारंपरिक स्वागत और बालिकाओं की थालपोली प्रस्तुति ने माहौल को ओणम के रंग में रंग दिया।

पमरे ने चार माह में टिकट चैकिंग से 56 करोड़ 64 लाख रूपये का राजस्व प्राप्त

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

पश्चिम मध्य रेल में प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक के निर्देशानुसार तीनों मंडलों में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य अधिकारियों के नेतृत्व में और रेलवे मजिस्ट्रेट चैकिंग के तहत यात्री गाड़ियों एवं स्टेशनों पर समय-समय पर टिकट जांच अभियान चलाए गए। इन अभियानों के परिणामस्वरूप पश्चिम मध्य रेल ने चालू वित्तीय वर्ष के चार माह में अनबुक्ड लगेज, बिना टिकट यात्रा तथा अनियमित टिकट पर यात्रा करने वाले कुल 6 लाख 86 हजार मामलें पकड़े गए जिनसे अतिरिक्त किराया एवं जुर्माना सहित कुल 56 करोड़ 64 लाख रुपये का राजस्व अर्जित किया गया। यह राशि पिछले वर्ष इसी अवधि में वसूले गए 51 करोड़ 30 लाख रुपये के जुर्माने की

तुलना में 10.43 प्रतिशत अधिक है। चालू वित्तीय वर्ष के चार माह में भोपाल मंडल पर परफॉरमेंस इस प्रकार रहा :- भोपाल मंडलः टिकट जांच के दौरान 2 लाख 30 हजार मामलों से 17 करोड़ 50 लाख रुपये का राजस्व प्राप्त किया। रेल प्रशासन यात्रियों से अनुरोध करता है कि बिना टिकट यात्रा न करें। यात्रा से पूर्व उचित टिकट अवश्य लें, ताकि यात्रा के दौरान किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। यात्रियों को सुरक्षित एवं व्यवस्थित यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से वाणिज्य विभाग एवं आरपीएफ के समन्वय से पश्चिम मध्य रेल द्वारा ट्रेनों में टिकट चेकिंग अभियान आगे भी निरंतर चलाए जाते रहेंगे।

रोजगार मेले का आयोजन 31 अगस्त को

भोपाल। जिला रोजगार अधिकारी भोपाल ने बताया कि युवा संगम (रोजगार मेला) का आयोजन 31 अगस्त को प्रातः 10 बजे से जिला रोजगार कार्यालय, ईदगाह हिल्स, भोपाल में किया जा रहा है रोजगार की तलाश कर रहे युवाओं के लिए मौका, 31 अगस्त को रोजगार मेला उन्होंने मध्यप्रदेश के सभी रोजगार के इच्छुक आवेदक, आवेदिकाओं से अपील की है कि वे अपने समस्त मूल प्रमाण - पत्रों एवं अपना बायोडाटा सहित साक्षात्कार के लिए 31 अगस्त को प्रातः 10 बजे उपस्थित होकर युवा संगम रोजगार मेला का सुनहरा रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर का लाभ प्राप्त सकते है। भर्ती कंपनियों द्वारा अपनी शर्तों पर की जाएगी। साक्षात्कार के समय, कंपनी से समस्त जानकारी स्वंय प्राप्त करें।

तीन सौतेले बेटो ने साथियो के साथ मिलकर की थी हत्या, 8 गिरफ्तार

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

गुनगा थाना इलाके में स्थित ग्राम मुड़ियाखेड़ा के पास रक्षाबंधन के दिन शुक्रवार को अपनी बहन से राखी बंधवाने आये किसान की लाठी-डंडों व रॉड से पीट-पीटकर हत्या करने के मामले में पुलिस ने आठ आरोपियो को जंगल से घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया है। मृतक पर यह कातिलाना हमला मृतक किसान के तीन सौतेले बेटों ने अपने साथियों से मिलकर किया था। घटना का कारण मृतक किसान द्वारा विवाहिता को अपने साथ भगाकर ले जाते हुए शादी करना और उसके पहले पति की मौत के बाद उसकी जमीन पर अपनी पत्नि का दावा पेश करना सामने आया है। थाना पुलिस के अनुसार आदमपुर छावनी रायसेन रोड बिलखिरिया

निवासी कुंजीलाल यादव पिता सुखराम यादव (45) पेशे से किसान था। वह मूलत ग्राम मुड़ियाखेड़ा थाना गुनगा का रहने वाला था। बीती 28 अगस्त को वह रक्षाबंधन पर राखी बंधवाने गांव में स्थित पैतृक घर पहुंचा था। उसके साथ उसका 20 साल का बेटा ऋषि भी साथ था। पुलिस का कहना है कि शुक्रवार शाम को गांव के पास मेनरोड पर आधा दर्जन से अधिक लोगों ने लाठी-डंडों व रॉड से कुंजीलाल पर कातिलाना हमला कर उसे गंभीर रुप से घायल कर दिया। इस दौरान अपने पिता को बचाने आया उसका 20 साल का बेटा भी गंभीर रुप से घायल हुआ है। जानलेवा हमला कर आरोपी उसे अधमरी हालत में छोड़कर फरार हो गए। गांव के लोगों ने घायल पिता-पुत्र को भानपुर स्थित अस्पताल में भर्ती कराया, जहां कुछ घंटो के बाद ही इलाज के दौरान कुंजलीलाल की मौत हो गई। अस्पताल से मिली सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक के बेटे ऋषि यादव के बयानो के आधार पर मामला कायम कर लिया।पुलिस की शुरुआती जॉच में सामने आया की करीब 25 साल पहले कुजीलाल यादव गॉव में ही रहने वाली एक विवाहित महिला को साथ लेकर गांव से भागा था।

सांस्कृतिक और सामाजिक भावना को केंद्र में रखकर 18 वर्ष पूर्व नरेला में रक्षाबंधन महोत्सव प्रारंभ किया था

नरेला रक्षाबंधन महोत्सव बना विश्व का सबसे बड़ा राखी महोत्सव : सारंग

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

रक्षाबंधन भारतीय संस्कृति का वह पावन पर्व है, जिसमें एक धागा रिश्ते की परिभाषा को रक्त संबंधों से आगे ले जाकर विश?वास, कर्तव्य, सुरक्षा, सम्मान और आत्मीयता से जोड़ देता है। कलाई पर बंधने वाला रक्षासूत्र आकार में भले ही छोटा हो, लेकिन उसके भीतर निहित भावनाएं अनंत होती हैं। यही कारण है कि हजारों वर्षों की यात्रा के बाद भी रक्षाबंधन आज भारतीय जनमानस में उतनी ही श्रद्धा और आत्मीयता के साथ जीवंत है।सनातन संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता यही है कि यहां पर्व केवल उत्सव नहीं होते, वे जीवन दर्शन के वाहक होते हैं। प्रत्येक पर्व मनुष्य को स्वयं से, परिवार को समाज से और समाज को अपनी संस्कृति से जोड़ता है। रक्षाबंधन भी इसी महान परंपरा का पर्व है जो हमें याद दिलाता है कि रिश्ते अधिकार से नहीं, विश्वास और जिम्मेदारी से मजबूत होते हैं। इसी सांस्कृतिक और सामाजिक भावना को केंद्र में रखकर 18 वर्ष पूर्व नरेला में रक्षाबंधन महोत्सव प्रारंभ किया था। तब मेरा केवल एक ही उद्देश्य था कि हर बहन को यह विश्वास दिलाना कि मैं उनका भाई हूं, उनका रक्षक हूं और उनके जीवन में खुशियां लाने के लिए सदैव समर्पित रहूंगा। आज वही भावना एक सामाजिक उत्सव का रूप ले चुकी है। हर वर्ष लाखों बहनें मुझे रक्षासूत्र बांधकर आशीर्वाद प्रदान करती हैं। पिछले वर्ष 1 लाख 84 हजार 632 बहनों ने रक्षासूत्र बांधकर

अपना आशीर्वाद प्रदान किया। यह संख्या केवल एक रिकॉर्ड नहीं है। यह लाखों बहनों के विश्वास, स्नेह और आत्मीयता की अभिव्यक्ति है। इसी अपार स्नेह ने नरेला रक्षाबंधन महोत्सव को विश्व के सबसे बड़े रक्षाबंधन महोत्सव के रूप में पहचान दिलाई है। लेकिन किसी भी आयोजन की वास्तविक सफलता उसके आकार से नहीं बल्कि समाज पर उसके प्रभाव से तय होती है। नरेला के इस महोत्सव की सबसे बड़ी उपलब्धि यही है कि अब यह पर्व केवल नरेला परिवार तक सीमित नहीं रहा बल्कि भोपाल की अन्य विधानसभाओं की बहनें भी बड़ी संख्या में मुझे रक्षासूत्र बांधती हैं। इस पर्व ने जनप्रतिनिधि और जनता के बीच औपचारिक संबंधों की सीमाओं को पार कर एक परिवार जैसा आत्मीय रिश्ता निर्मित किया है। जब कोई बहन राखी बांधती है, तो वह केवल एक धागा नहीं बांधती। वह अपने भाई की कलाई पर अपना विश्वास रखती है। वह यह उम्मीद रखती है कि आवश्यकता के समय उसका भाई उनके साथ है। हर राखी यह स्मरण कराती है कि सार्वजनिक जीवन में प्राप्त पद सम्मान का विषय हो सकता है, लेकिन उससे कहीं बड़ी चीज जनता का विश्वास है। यह विश्वास जितना बड़ा होता है, जिम्मेदारी भी उतनी ही बड़ी होती जाती है। इस वर्ष भी विश्व का सबसे बड़ा नरेला रक्षाबंधन महोत्सव 31 अगस्त से प्रारंभ होने जा रहा है। जिसमें लाखों की संख्या में बहनें मुझे रक्षासूत्र बांधकर अपना अमूल्य आशीर्वाद प्रदान करेंगी। जब बहनें मुझे राखी बांधती हैं, तो मैं केवल एक जनप्रतिनिधि नहीं बल्कि उनके परिवार के एक सदस्य के रूप में उपस्थित होता हूं। हर राखी मेरे कर्तव्यों की याद दिलाती है, हर मुस्कान मुझे प्रेरणा देती है और हर बहन की आँखों में विश्वास मुझे शक्ति देता है। आज नरेला विधानसभा की पहचान एक विधानसभा के रुप में नहीं बल्कि नरेला परिवार के रुप में है। यहां हर हिन्दू पर्व केवल परंपरा नहीं बल्कि उत्सव और उल्लास की जीवंत धारा बनकर बहता है। नरेला परिवार की हर बहन मेरी शक्ति है, मेरी प्रेरणा है और मेरी विजय का प्रतीक है।

संपादकीय

नीति आयोग के बंजर युवा

नीति आयोग की नई रपट आई है-विकसित भारत 2047 के लिए कौशल की पुनर्कल्पना। रपट में शिक्षा, रोजगार, युवा और उसकी उत्पादकता आदि पर ऐसे खुलासे किए गए हैं, जिनसे लगता है कि हमारी अधिकतर युवा जमात बंजर है! वह देश के कार्यबल का हिस्सा नहीं है। बेशक बेरोजगारी एक भयानक समस्या है, लेकिन शिक्षा पर भी कई सवालिया निशान हैं। रपट के मुताबिक, 15-29 साल के आयु-वर्ग के 8.70 करोड़ युवा ऐसे हैं, जो न तो पढ़ रहे हैं, न काम कर रहे हैं और न ही कोई ट्रेनिंग ले रहे हैं। उनमें से करीब 58 फीसदी घरेलू काम में व्यस्त हैं। यानी घर पर बैठे हैं, जबकि यह उम्र सर्वाधिक उर्वर मानी जाती है। इनसान काम करता है और अपने तथा देश के लिए संसाधन पैदा करता है। उसे ही जनसांख्यिकीय लाभांश माना जा सकता है। देश की 65 फीसदी आबादी की उम्र 35 साल से कम है, सिर्फ यही जनसांख्यिकीय लाभांश का आधार नहीं हो सकता। रपट के मुताबिक, 8.25 फीसदी युवा स्नातकों को ही उनकी शिक्षा और डिग्री के अनुकूल काम मिल पाता है। शेष की पढ़ाई को नौकरी के लायक नहीं समझा जाता, लिहाजा यह उद्योगपतियों और नियोक्ताओं के लिए भी भारी समस्या है कि युवा हुनरमंद नहीं है। उनकी डिग्री महज कागज का टुकड़ा है। बेरोजगार स्नातक 13 फीसदी हैं, जबकि महिला स्नातकों में बेरोजगार 20.4 फीसदी हैं। देश का कुल कार्यबल (काम करने वाले) 65.4 करोड़ है। सिर्फ 14.19 फीसदी को ही नियमित वेतन या मजदूरी नसीब है। गैर-कृषि क्षेत्र में करीब 27 करोड़ लोगों को सामाजिक सुरक्षा हासिल नहीं है। सबसे डरावना और सवालिया आंकड़ा यह है कि केंद्र सरकार में 8,23,556 सरकारी पद खाली पड़े हैं। सरकार इन पदों पर भर्तियां क्यों नहीं करती? यही हाल राज्य सरकारों का है, जहां लाखों सरकारी पद आज भी खाली पड़े हैं, लेकिन नौकरियां दी नहीं जा रही हैं। सरकारें आउटसोर्स करके ठेके पर नौकरियां देती हैं, ताकि अरबों का पेंशन का बोझ खत्म किया जा सके। यह भयावह सवालिया स्थिति है। रक्षा मंत्रालय में 2.41 लाख और रेलवे में 2.40 लाख से अधिक पद खाली हैं। क्या ऐसे संवेदनशील और महत्वपूर्ण मंत्रालय पर्याप्त कार्यबल के बिना ही चलाए जा रहे हैं? यहां देश की सुरक्षा और गति-शक्ति का भी सवाल है। कदाचित यही कारण हैं कि देश के युवा, जेन-जी और जेन-अल्फा, उबल रहे हैं, आक्रोशित और आंदोलित हैं।

फिलहाल दिल्ली, भोपाल, पटना, रायपुर, लखनऊ, सागर (मप्र), सिरोही (राजस्थान) और महोबा (उप्र) आदि शहरों में युवा सडकों पर हैं। विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं, लाठियां खा रहे हैं, आंसू गैस झेल रहे हैं, पानी की तेज बौछार उनकी गति को लडखड़ा रही है। फिर भी वे अपने अधिकारों और व्यवस्था को बदलने के लिए लड़ रहे हैं। जब बाल-आयु में भैंस-गाय के तबेलों में स्कूल की कक्षाएं लगेंगी, मात्र 4 कमरों में 512 बच्चे ठूंस कर बिठाए जाएंगे, एक ही कथित अध्यापक सभी कक्षाओं को पढ़ाएगा, न स्वच्छ शौचालय, न पीने का पानी, न ही क्लास रूम में पंखे और डेस्क की व्यवस्था होगी, तो ऐसे स्कूल में पढ़ने वाले बच्चे को क्या खाक शिक्षा और नौकरी हासिल होगी? जिन राज्यों में आने वाले महीनों में विधानसभा चुनाव होने हैं, वहां नौकरियां देने की घोषणाएं की जा रही हैं। मसलन-उप्र में आगामी 6 माह में एक लाख नौकरियां देने का ऐलान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया है। उन्होंने स्कूलों के कायाकल्प के लिए 1871 करोड़ रुपए के फंड की भी घोषणा की है। इसी तरह राजस्थान सरकार ने भी 12,500 करोड़ रुपए के फंड की घोषणा की है। मप्र के बड़वानी में जेन जी ने 20 किलोमीटर लंबा जुलूस निकाला। ऐसे कई प्रयासों से जेन-जी ने सरकारों के खिलाफ हल्लाबोल के हालात पैदा कर दिए हैं। आश्चर्य यह है कि देश में सबसे अधिक बेरोजगारी-दर 36.2 फीसदी संघशासित लक्षद्वीप में है, जबकि राज्यों में सर्वाधिक बेरोजगारी-दर केरल और हरियाणा में है। नीति आयोग ने सिफारिश की है कि कौशल-प्रशिक्षण को उच्च शिक्षा के बाद का विकल्प मानने के बजाय स्कूली स्तर से ही शुरू किया जाना चाहिए। कक्षा 6-12 तक सामान्य रोजगार और उद्यमिता कौशल सिखाए जाने तथा कक्षा 9 से व्यावसायिक पाठ्यक्रम शुरू किए जाने चाहिए। शायद उनसे देश की सूरत बदल सकती है!

समुद्री मार्गों की शक्ति : विश्व के प्रमुख जलडमरूमध्यों पर संघर्ष और प्रतिस्पर्धा

अमरेश द्विवेदी

> जलडमरूमध्य, काला सागर और अजोव सागर को जोड़ता है। यह रूस और यूक्रेन के बीच संघर्ष के संदर्भ में महत्वपूर्ण बन गया है। क्रीमिया के रूस द्वारा 2014 में अधिग्रहण के बाद इस क्षेत्र की राजनीतिक और सैन्य संवेदनशीलता बढ़ गई। रूस ने केर्च ब्रिज का निर्माण करके क्षेत्र में अपनी रणनीतिक स्थिति मजबूत की। इस जलडमरूमध्य पर नियंत्रण का संबंध समुद्री यातायात, सैन्य गतिविधियों और यूक्रेन के बंदरगाहों तक पहुंच से जुड़ा है।

जलडमरूमध्य समुद्र या महासागर का वह संकीर्ण प्राकृतिक मार्ग है, जो दो बड़े जल निकायों को जोड़ता है और सामान्यतः दो भू-भागों के बीच स्थित होता है। आकार में छोटे होने के बावजूद जलडमरूमध्य का भूराजनीतिक, आर्थिक, सैन्य और सामरिक महत्व अत्यधिक होता है। विश्व के प्रमुख समुद्री व्यापार मार्गों का एक बड़ा हिस्सा कुछ महत्वपूर्ण जलडमरूमध्यों से होकर गुजरता है। तेल, प्राकृतिक गैस, खाद्यान्न, औद्योगिक कच्चा माल और निर्मित वस्तुओं के परिवहन में इनका विशेष योगदान है। इसी कारण जलडमरूमध्य केवल भौगोलिक संरचनाएँ नहीं हैं बल्कि वे वैश्विक शक्ति-संतुलन के केंद्र भी बन गए हैं। इनके आसपास होने वाला युद्ध, राजनीतिक तनाव, समुद्री सीमा विवाद, नाकेबंदी या जहाजों पर हमले पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर सकते हैं।

होर्मुज जलडमरूमध्य: ऊर्जा सुरक्षा का केंद्रहोर्मुज जलडमरूमध्य फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी और आगे अरब सागर से जोड़ता है। इसके आसपास ईरान और ओमान स्थित हैं तथा संयुक्त अरब अमीरात भी निकटवर्ती क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। होर्मुज का सबसे बड़ा महत्व वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति से जुड़ा है। फारस की खाड़ी के तेल और गैस उत्पादक देशों से निकलने वाले बड़े पैमाने के ऊर्जा निर्यात के लिए यह प्रमुख समुद्री मार्ग है। ईरान और अमेरिका के बीच लंबे समय से चले आ रहे तनाव, ईरान के परमाणु कार्यक्रम तथा क्षेत्रीय संघर्षों के कारण होर्मुज बार-बार अंतरराष्ट्रीय चिंता का विषय बना है। ईरान द्वारा कभी-कभी इस मार्ग को बाधित करने की चेतावनी देना भी वैश्विक तेल बाजारों में अस्थिरता पैदा करता है। इसलिए होर्मुज जलडमरूमध्य का महत्व केवल मध्य-पूर्व तक सीमित नहीं है; इसका सीधा संबंध भारत, चीन, जापान और यूरोप की ऊर्जा सुरक्षा से भी है।

बाब-अल-मंदेब : लाल सागर का संकटबाब-अल-मंदेब लाल सागर को अदन की खाड़ी से जोड़ता है। इसके एक ओर यमन तथा दूसरी ओर अफ्रीका का जिबूती और इरिट्रिया क्षेत्र स्थित है। यह मार्ग यूरोप और एशिया के बीच समुद्री व्यापार के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके माध्यम से जहाज लाल सागर और स्वेज नहर की दिशा में जाते हैं। यमन के गृहयुद्ध और हूती आंदोलन के कारण इस क्षेत्र की सुरक्षा लंबे समय से चिंता का विषय रही है। जहाजों पर हमलों और सुरक्षा जोखिमों के कारण कई वाणिज्यिक जहाजों को वैकल्पिक लंबे मार्गों का उपयोग करना पड़ा है। इसका परिणाम यह हुआ कि यूरोप-एशिया व्यापार की लागत और यात्रा समय बढ़ सकता है। इसलिए बाब-अल-मंदेब यह दिखाता है कि किसी छोटे से समुद्री चोकपॉइंट में अस्थिरता वैश्विक सप्लाई श्रृंखला को कैसे प्रभावित कर सकती है।

ताइवान जलडमरूमध्य : चीन और ताइवान का तनावताइवान जलडमरूमध्य चीन के मुख्य भूभाग और ताइवान के बीच स्थित है। यह वर्तमान विश्व राजनीति के सबसे संवेदनशील समुद्री क्षेत्रों में से एक है। चीन ताइवान को अपने क्षेत्र का हिस्सा मानता है, जबकि ताइवान अपनी अलग राजनीतिक व्यवस्था के साथ स्वयं शासित है। अमेरिका ताइवान के साथ अनौपचारिक संबंध और सुरक्षा सहयोग बनाए रखता है। इस क्षेत्र में चीनी सैन्य अभ्यास, ताइवान की सुरक्षा और अमेरिकी नौसैनिक गतिविधियाँ तनाव को बढ़ाती हैं। यदि यहां गंभीर सैन्य संघर्ष होता है, तो इसका प्रभाव केवल पूर्वी एशिया तक सीमित नहीं रहेगा। ताइवान वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसलिए ताइवान जलडमरूमध्य में संघर्ष से तकनीकी उद्योग, वैश्विक व्यापार और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय बाजारों पर व्यापक प्रभाव पड़ सकता है।

मलक्का जलडमरूमध्य : व्यापार और सुरक्षामलक्का जलडमरूमध्य मलय प्रायद्वीप और इंडोनेशिया के सुमात्रा द्वीप के बीच स्थित है। यह हिंद महासागर और प्रशांत क्षेत्र को जोड़ने वाले सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में से एक है। चीन, जापान, दक्षिण कोरिया और अन्य पूर्वी एशियाई अर्थव्यवस्थाओं के लिए यह मार्ग अत्यंत महत्वपूर्ण है। बड़ी मात्रा में ऊर्जा और व्यापारिक वस्तुएँ इस मार्ग से होकर गुजरती हैं। मलक्का में वर्तमान में होर्मुज या बाब-अल-मंदेब जैसी प्रत्यक्ष युद्ध स्थिति नहीं है, लेकिन यहां समुद्री डकैती, आतंकवाद, दुर्घटनाएँ और संभावित सैन्य प्रतिस्पर्धा सुरक्षा संबंधी चिंताएँ पैदा करती हैं। चीन की ह्लमलक्का का धर्मसंकटह्व की अवधारणा इसी चिंता से जुड़ी है कि संकट की स्थिति में उसकी ऊर्जा आपूर्ति इस चोकपॉइंट पर निर्भर रह सकती है। इसी कारण चीन वैकल्पिक समुद्री और स्थल मार्ग विकसित करने की कोशिश करता रहा है।

जिब्राल्टर जलडमरूमध्य : यूरोप और अफ्रीका के बीचजिब्राल्टर जलडमरूमध्य अटलांटिक महासागर और भूमध्य सागर को जोड़ता है। इसके उत्तर में स्पेन और दक्षिण में मोरक्को स्थित हैं। इसके निकट ब्रिटेन का जिब्राल्टर क्षेत्र भी स्थित है। जिब्राल्टर को लेकर ब्रिटेन और स्पेन के बीच लंबे समय से राजनीतिक विवाद रहा है। ब्रिटेन का नियंत्रण इस क्षेत्र को यूरोप की सुरक्षा और समुद्री रणनीति में महत्वपूर्ण बनाता है। यह जलडमरूमध्य यूरोप, उत्तरी अफ्रीका और भूमध्यसागरीय क्षेत्र के बीच समुद्री संपर्क का महत्वपूर्ण मार्ग है। साथ ही नाटो और अन्य शक्तियों के लिए भी इसका सैन्य महत्व है।

बॉस्फोरस और डाडार्नेल्सः रूस-यूक्रेन संदर्भतुर्की के बॉस्फोरस और डाडार्नेल्स जलडमरूमध्य काला सागर को भूमध्य क्षेत्र से जोड़ते हैं। इनके बीच मारमारा सागर स्थित है। इन जलमार्गों का महत्व रूस, यूक्रेन, तुर्की और अन्य काला सागर देशों के लिए बहुत अधिक है। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध के संदर्भ में इनका रणनीतिक महत्व और बढ़ गया है। तुर्की इन जलडमरूमध्यों पर नियंत्रण रखता है और मोंट्रो कन्वेंशन के तहत युद्धपोतों की आवाजाही के संबंध में विशेष अधिकार रखता है। इस कारण तुर्की की नीति काला सागरकी सामरिक स्थिति को प्रभावित कर सकती है। इन जलडमरूमध्यों से अनाज, ऊर्जा और अन्य वस्तुओं का व्यापार भी जुड़ा है। इसलिए इनका महत्व सैन्य के साथ-साथ आर्थिक भी है।

अमेरिका में एकबार फिर हिंदुत्व का जयघोष

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

न्यूयॉर्क में 29 अगस्त को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत का संबोधन भारतीय चिंतन की उस व्यापक दृष्टि को सामने लाता है, जिसमें विविधता के बीच मानवता की एकता को आधार माना गया है। वन वर्ल्ड, वन ूमैनिटी अंतरधार्मिक संवाद में भागवत ने धर्म, हिंदुत्व, सामाजिक समरसता, सेवा, राजनीति और वैश्विक शांति जैसे विषयों पर अपने विचार रखे। उनके संबोधन की खास बात यह रही कि उन्होंने हिंदुत्व को किसी समुदाय के विरोध अथवा बहिष्कार के विचार से अलग करते हुए मानव गरिमा और सभी पंथों के सम्मान से जोड़ने का प्रयास किया।

विविधता में एकता का भारतीय विचार

भागवत ने कहा कि दुनिया में धर्म और संस्कृतियां अनेक हैं। उनकी पूजा पद्धतियां, मान्यताएं और कर्मकांड अलग हो सकते हैं, मगर मनुष्य की मूल पहचान एक है। उन्होंने विविधता को समाप्त करने के बजाय उसे स्वीकार करने, उसका सम्मान करने और उसकी रक्षा करने की बात कही। धर्म के बाहरी स्वरूप और उसके मूल उद्देश्य के अंतर को समझाने के लिए उन्होंने प्रकाश की ओर संकेत करती उंगली का उदाहरण दिया। उनका आशय था कि कर्मकांड व्यक्ति को दिशा देने का माध्यम हैं। यदि मनुष्य माध्यम को ही लक्ष्य मान लेता है, तो धर्म के वास्तविक उद्देश्य से दूर हो जाता है। धर्म का अंतिम उद्देश्य मनुष्य को बेहतर जीवन, उच्च चेतना और मानवीयता की ओर ले जाना है।

हिंदुत्व पर सबसे स्पष्ट संदेश

भागवत के संबोधन में हिंदुत्व को लेकर कही गई बात विशेष ध्यान आकर्षित करती है। उन्होंने 2018 में दिल्ली में मुस्लिम समाज के लोगों के साथ हुई चर्चा का उल्लेख किया। वहां उनसे पूछा गया था कि आरएसएस हिंदू संगठन है और हिंदू राष्ट्र की बात करता है, तो भारत के मुसलमानों का क्या होगा? क्या उन्हें बाहर कर दिया जाएगा? भागवत ने बताया कि उनका उत्तर था कि ऐसा नहीं होगा। उन्होंने कहा कि यदि कोई हिंदू यह सोचता है कि भारत में मुसलमान नहीं होना चाहिए, तो वह हिंदू नहीं है। यह कथन हिंदुत्व की उस व्याख्या को सामने रखता है जिसे भागवत भारतीय समाज की व्यापक सांस्कृतिक पहचान से जोड़ते हैं। उनके अनुसार भारत की परंपरा में अलग अलग संप्रदायों के लिए स्थान रहा है और जिन्हें कहीं सुरक्षित आश्रय नहीं मिला, भारत ने उन्हें भी स्थान दिया।

मैं से हम की ओर बढ़ने का संदेश

भागवत ने सामाजिक और राजनीतिक जीवन में बढ़ते स्वार्थ को बड़ी चुनौती बताया। उन्होंने कहा कि जहां ह्यमैंह्ल और ह्यमेराह्ल की भावना है, वहां समाधान नहीं है। ह्यहमह्ल और ह्यहमाराह्ल ही समाधान का रास्ता है। राजनीति पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि राजनीति स्वार्थ का खेल बनती जा रही है। ऐसे में परिवर्तन की शुरूआत राजनीति से पहले समाज से होनी चाहिए। लोकतंत्र में राजनीति जनमत पर निर्भर होती है। यदि समाज किसी विचार पर मजबूती से खड़ा हो जाए, तो राजनीतिक नेतृत्व भी उस जनभावना की उपेक्षा नहीं कर सकता। वस्तुतः यह विचार भागवत के संबोधन को एक राजनीतिक भाषण के बजाय सामाजिक परिवर्तन की दिशा में दिए गए आह्वान के रूप में भी स्थापित करता है।

संवाद पहला कदम, सेवा दूसरा

सामाजिक समरसता के लिए भागवत ने दो महत्वपूर्ण रास्ते बताए, संवाद और सेवा। उन्होंने कहा कि 2018 के बाद भारत में मुस्लिम और ईसाई समाज के साथ संवाद की प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई। संवाद के माध्यम से एक दूसरे को समझने और पूर्वाग्रहों को कम करने का अवसर मिलता है। इसके बाद सेवा की भूमिका आती है। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद व्यक्ति की सेवा करते समय स्वयंसेवक उसकी धार्मिक पहचान नहीं देखते। उनके अनुसार समाज के सहयोग से लगभग एक लाख तीस हजार सेवा प्रकल्प संचालित किए जा रहे हैं। हरियाणा के दादरी में विमान दुर्घटना का उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि मुस्लिम देशों के विमानों से जुड़ी उस दुर्घटना के बाद आरएसएस के स्वयंसेवक राहत और अंतिम संस्कार के कार्यों में जुटे थे। उन्होंने मृतकों की पहचान और उनके परिजनों की सहायता में भी सहयोग किया। भागवत ने इसे सेवा की उस भावना का उदाहरण बताया जिसमें सामने व्यक्ति की धार्मिक पहचान नहीं, उसकी पीड़ा और आवश्यकता होती है।

रामकृष्ण परमहंस से रानाडे तक

भागवत ने अपने विचारों को भारतीय आध्यात्मिक परंपरा के उदाहरणों से भी जोड़ा। उन्होंने स्वामी रामकृष्ण परमहंस का उल्लेख किया, जिन्होंने विभिन्न धार्मिक मार्गों का अनुभव किया था। भागवत के अनुसार रामकृष्ण परमहंस ने अलग-अलग रास्तों के अनुभव के बाद यह विचार रखा कि सत्य तक पहुंचने के मार्ग अनेक हो सकते हैं। उन्होंने गुरुदेव श्री रानाडे का भी उल्लेख किया, जिन्होंने विभिन्न धार्मिक परंपराओं के आध्यात्मिक अनुभवों का अध्ययन किया था। भागवत के अनुसार अलग अलग मार्गों से प्राप्त आध्यात्मिक अनुभवों में समानता दिखाई देती है। इन उदाहरणों के माध्यम से उन्होंने भारतीय आध्यात्मिक परंपरा की उस विशेषता को सामने रखा जिसमें विभिन्न मतों और पंथों के बीच संवाद और सम्मान का भाव दिखाई देता है।

सही बात जानना और उसे जीवन में उतारना

भागवत ने मधुमेह और मिठाई का उदाहरण देकर मनुष्य की कमजोरी को सहज तरीके से समझाया। उन्होंने कहा कि मधुमेह के कारण उनके लिए चीनी से बचना जरूरी है, फिर भी मिठाई सामने आने पर उसे खाने का बहाना खोज लेते हैं। उन्होंने इसे मनुष्य के व्यवहार से जोड़ते हुए कहा कि लोग सही और गलत को जानते हैं, मगर अपनी छोटी-छोटी पसंद और नापसंद के कारण कई बार सही मार्ग से हट जाते हैं। इसका संदेश स्पष्ट था कि सही विचार को जानना पर्याप्त नहीं है। उसे आचरण में उतारना भी उतना ही जरूरी है।

समाज में बदलाव से बदलेगी राजनीति

भागवत ने कहा कि जिस दुनिया को हम देखना चाहते हैं, उसका मॉडल पहले अपने समाज और अपने आसपास बनाना होगा। स्थानीय स्तर पर संवाद, सहयोग और निस्वार्थ सेवा का वातावरण तैयार करना होगा। जब लोग अपने आसपास परिवर्तन को देखेंगे और स्वयं उसका अनुभव करेंगे, तब वह व्यापक सामाजिक परिवर्तन का आधार बन सकता है। उनके अनुसार मानवता को एक दूसरे से संघर्ष और विनाश की ओर जाने से रोकने के लिए यह प्रयास लंबे समय तक जारी रखना होगा।

न्यूयॉर्क से निकला व्यापक संदेश

यहां भागवत ने भारतीय चिंतन को वैश्विक संदर्भ में रखा, यह निश्चित ही सभी दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण रहा है। उन्होंने विविधता को विभाजन का कारण मानने के बजाय एकता की शक्ति बताया और हिंदुत्व को सभी के सम्मान, संवाद और सेवा से जोड़कर जिस तरह से प्रस्तुत किया उसका सार यही है, ह्यमैंह्ल और ह्यमेराह्ल से ह्यहमह्ल और ह्यहमाराह्ल की यात्रा में ही सकल विश्व का हित है। उनका आग्रह कि धार्मिक पहचान मनुष्य को दूसरे से दूर करने का कारण न बने, वह व्यापक मानवता से जोड़ने का माध्यम बने। वास्तविकता में यही विश्व की आज जरूरत है, क्योंकि इसी सोच से अनेक पांथिक विद्वेषको सहज समाप्त किया जा सकता है।

ऐसे में कहना यही होगा कि न्यूयॉर्क से दिया गया यह संदेश भारतीय सांस्कृतिक दृष्टि की उस धारणा को सामने रखता है जिसमें अनेकता के बीच एकता को समाज की शक्ति माना गया है। भागवत ने इसी विचार को स्थानीय सामाजिक जीवन से लेकर वैश्विक मानवता तक विस्तार देने की आवश्यकता पर जोर दिया।

न्यूज ब्रीफ

जिझोतिया ब्राह्मण समाज ने किया पौधरोपण देख-रेख का लिया संकल्प

ग्वालियर। वृक्ष ही जीवन का आधार हैं और प्रकृति का संतुलन बनाए रखने के लिए पौधरोपण अत्यंत आवश्यक है। इसी संदेश को चरितार्थ करते हुए रविवार को जिझोतिया ब्राह्मण समाज, ग्वालियर द्वारा टेकनपुर बाईपास स्थित अरजरिया कृषि फार्म पर एक भव्य एवं प्रेरणादायी पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। समाज की इस अनूठी पहल के तहत विभिन्न प्रजातियों के छायादार और फलदार पौधे रोपे गए। यह पूरा आयोजन अध्यक्ष के.पी. अरजरिया, महामंत्री पंकज सोनकिया, कार्यकारी अध्यक्ष राजीव पस्तोर, संयोजक सजल त्रिपाठी एवं सह-संयोजिका रमा चौबे के कुशल मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

सीवेज पंप हाउस पर शराब पिलाने की शिकायत पर निगमायुक्त ने दिए तत्काल कार्रवाई के निर्देश

ग्वालियर। बिरला नगर स्थित सीवेज पंप हाउस पर कार्यरत ठेकेदार के कर्मचारी श्री अतुल द्वारा शराब पिलाए जाने संबंधी वीडियो के माध्यम से शिकायत प्राप्त होने पर नगर निगम आयुक्त अभिषेक चौधरी ने तत्काल संज्ञान लेते हुए संबंधित के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। निगमायुक्त श्री चौधरी के निर्देशों के पालन में अधीक्षण यंत्री पीएचई एस.एल. बाथम द्वारा संबंधित ठेकेदार बबलू धारीवाल, धारीवाल कंस्ट्रक्शन कंपनी को तत्काल पत्र जारी कर निर्देशित किया गया कि शिकायत में सामने आए कर्मचारी को तत्काल कार्य से हटाया जाए तथा संबंधित कर्मचारियों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। निगम के निर्देशों के बाद ठेकेदार द्वारा संबंधित कर्मचारी को कार्य से हटा दिया गया ।

एक दिवसीय योग कार्यकर्ता निर्माण शिविर संपन्न

ग्वालियर। भारतीय योग संस्थान, मध्य प्रदेश प्रान्त, ग्रेटर ग्वालियर, द्वारा एक दिवसीय कार्यकर्त्ता निर्माण शिविर थाटीपुर के एक निजी गार्डन में पूर्वक संपन्न हुआ, प्रथम सत्र का प्रारम्भ प्रातः 5.20 बजे अनन्त चतुर्वेदी के सुन्दर भजन गायन से प्रारम्भ हुआ पश्चात् संस्थान के राष्ट्रीय प्रधान देशराज जी ने सुबह ठीक बजे से ध्यान के गूढ़ रहस्यों को विस्तार से सरल भाषा में समझाते हुए शरीरमय कोष से आनंदमय कोष की यात्रा करायी, उन्होंने कहा जबङ्हम योगा सत्संग, उपनिषदों का अध्ययन एवं योगाभ्यास करते हैं तो हमें एक अदभुत अनुभति होती है कि मैं शरीर, मन, बुद्धि से परे शुद्ध चैतन्य हैं विवेक जागृत होने लगता यही संप्रज्ञात समाधि हैं और यहीं से ज़ब हमारा ध्यान का अभ्यास गहन होने लगता है तो ऐसे ही हम आनंदमय कोष में पहुंच जाते यही शान्ति की प्रज्ञा स्थित है पश्चात देसराजजी ने ध्यान का अभ्यास कराया, उपस्थित साधकों ने प्रातः बेला के शांत वातावरण में ध्यान की गहराइयों में डुबकर अदभुत आनंद की अनुभूतियों का अनुभव किया योगाभ्यास के बाद राष्ट्रीय महामंत्री ललित द्वारा बहुत ही सुंदरता के साथ प्रभावकारी प्राणायाम का अभ्यास कराया एवं प्राणायाम के विषय में विस्तार से आवश्यक जानकारी दी।

ग्वालियर-चंबल अंचल को मिली बड़ी चिकित्सा सौगात

जीआरएमसी में ग्वालियर-चंबल का पहला किडनी ट्रांसप्लांट सफल

■ एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

ग्वालियर के चिकित्सा इतिहास में रविवार को एक नया स्वर्णिम अध्याय जुड़ गया। शासकीय गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय से संबद्ध सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल में सफल किडनी ट्रांसप्लांट किया गया। ग्वालियर-चंबल संभाग के किसी शासकीय चिकित्सीय संस्थान में पहली बार किडनी ट्रांसप्लांट किया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश के शासकीय चिकित्सा संस्थानों को अत्याधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं में सशक्त बनाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की बदौलत यह महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है। प्रदेश सरकार द्वारा शासकीय चिकित्सा संस्थानों में आधुनिक अधोसंरचना, अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरण और विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय के सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल में किडनी ट्रांसप्लांट की सफलता इन सतत प्रयासों का प्रत्यक्ष परिणाम है। इस उपलब्धि से ग्वालियर-चंबल अंचल के गंभीर किडनी रोगियों के लिए आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं के नए द्वार खुल गए हैं। अब उन्हें देश के महानगरों में की तरह अपने शहर ग्वालियर में किडनी के इलाज की सुविधा उपलब्ध होगी। छतरपुर निवासी 60 वर्षीय कृष्णकांत गुप्ता की दोनों किडनियां

खराब हो गई थीं। जीवन के इस कठिन दौर में उनकी 55 वर्षीय पत्नी मीना गुप्ता ने पति को अपनी किडनी दान कर जीवनदान देने का निर्णय लिया। इसके बाद मरीज और डोनर की आवश्यक मेडिकल जांच, काउंसलिंग, अनुकूलता परीक्षण तथा ट्रांसप्लांट से संबंधित सभी जरूरी प्रक्रियाएं निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार पूरी की गईं। सभी आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद दोनों को 29 अगस्त को सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। रविवार सुबह करीब 8.30 बजे किडनी प्रत्यारोपण की जटिल प्रक्रिया शुरू हुई। सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के नेफ्रोलॉजी, यूरोलॉजी और एनेस्थीसिया विभाग के विशेषज्ञों ने मणिपाल हॉस्पिटल के यूरोलॉजी एवं किडनी ट्रांसप्लांट विभागाध्यक्ष डॉ. विकास जैन के सहयोग से इस महत्वपूर्ण प्रक्रिया को अंजाम दिया। करीब साढ़े छह घंटे तक चली यह जटिल चिकित्सा प्रक्रिया दोपहर लगभग 3 बजे सफलतापूर्वक पूरी हुई। ट्रांसप्लांट के बाद मरीज और किडनी दान करने वाली उनकी पत्नी, दोनों की स्थिति स्थिर है और विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम उनकी निरंतर निगरानी कर रही है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष यह रहा कि कृष्णकांत गुप्ता का किडनी ट्रांसप्लांट आयुष्मान योजना के तहत निःशुल्क किया गया। अंग प्रत्यारोपण जैसी महंगी और जटिल चिकित्सा सुविधा का शासकीय अस्पताल में आयुष्मान योजना के माध्यम से उपलब्ध होना आर्थिक रूप से कमजोर और जरूरतमंद परिवारों के लिए नई उम्मीद है।

हाईकोर्ट की 4-सदस्यीय टीम ने की सड़कों की स्कैनिंग:विक्की फैक्ट्री से सिंधिया महल तक 3 प्रमुख रूट जांचे

■ एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

ग्वालियर शहर की जर्जर सड़कों के मामले में हाईकोर्ट के कड़े रुख के बाद गठित 4-सदस्यीय जांच टीम रविवार दोपहर एक बार फिर सड़क पर उतरी। हाईकोर्ट के आदेश पर वकीलों के कमीशन और तकनीकी विशेषज्ञों की संयुक्त टीम ने हाई-टेक कैमरों से शहर के 3 प्रमुख मार्गों की विस्तृत स्कैनिंग की। सड़कों की निर्माण गुणवत्ता जांचने के लिए 3 और 6 सितंबर को चिन्हित स्थानों से सैंपल लेकर लैब भेजे जाएंगे। सड़कों की गुणवत्ता जांचने के लिए टीम ने रविवार दोपहर भारी पुलिस बल की मौजूदगी में स्कैनिंग की। जांच के दौरान बाहरी हस्तक्षेप रोकने के लिए रास्तों पर बैरिकेड्स लगाए गए और आवाजाही रोक दी गई। टीम ने इन 3 रूट पर डिजिटल स्कैनिंग की: विक्की फैक्ट्री से झांसी रोड तक। चेतकपुरी से सिंधिया महल गेट तक। चेतकपुरी से त्र ऑफिस पुल तक। ग्वालियर में सड़कों की गुणवत्ता की जांच। ग्वालियर में सड़कों की गुणवत्ता की जांच। 3 और 6 सितंबर को लिए जाएंगे सैंपल रविवार को हुई स्कैनिंग के आधार पर टीम 3 और 6 सितंबर को चिन्हित जगहों से कोर कटिंग कर सड़कों के सैंपल लेगी। इन्हें जांच के लिए केंद्रीय परीक्षण प्रयोगशाला, मध्य प्रदेश लोक निर्माण विभाग, ग्वालियर भेजा जाएगा। निष्पक्षता बनाए रखने के लिए सैंपलिंग वाली जगह का नाम कार्रवाई से 30 मिनट पहले बताया जाएगा, ताकि संबंधित ठेकेदार या एजेंसी को पहले से किसी तरह का बदलाव करने का मौका न मिले।

ग्वालियर में 2 सितम्बर को बलराम जयंती महोत्सव एवं किसान समागम का आयोजन

■ एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 2 सितम्बर को ग्वालियर में आयोजित बलराम जयंती महोत्सव एवं सहकारी किसान समागम कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की ग्वालियर प्रस्तावित यात्रा को लेकर जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन एवं नगर निगम के माध्यम से तैयारियां प्रारंभ कर दी गई हैं। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से कार्यक्रमों के आयोजन के संबंध में विस्तार से समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बलराम जयंती एवं किसान समागम कार्यक्रम ग्वालियर में मेला मैदान परिसर में आयोजित किया जायेगा। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने मेला मैदान पर आयोजित होने वाले बलराम जयंती महोत्सव एवं

सहकारी किसान समागम कार्यक्रम की तैयारियों के संबंध में अधिकारियों को निर्देशित किया है कि आयोजन की सभी तैयारियां समय रहते पूर्ण कर ली जाएं। मेला मैदान में इस अवसर पर विभिन्न विभागों की प्रदर्शनी का आयोजन भी किया जायेगा। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया है कि कार्यक्रम में आने वाले किसान भाईयों को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो, इसका विशेष ध्यान दिया जाए।

नगर निगम की मदाखलत टीम की कार्रवाई, अवैध हाथ ठेले एवं फुटपाथों पर लगे बैनर-कटआउट हटाए

■ एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

नगर निगम आयुक्त अभिषेक चौधरी के निर्देशानुसार शहर में यातायात एवं आवागमन को सुगम बनाने तथा मुख्य मार्गों को अतिक्रमण मुक्त रखने के लिए नगर निगम की मदाखलत टीम द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में रविवार, 30 अगस्त 2026 को नोडल अधिकारी केशव सिंह चौहान एवं मदाखलत अधिकारी शैलेंद्र सिंह चौहान के निर्देश पर पूर्व विधानसभा क्षेत्र में कार्रवाई की गई। मदाखलत अमले द्वारा अचलेश्वर मंदिर के समीप मुख्य मार्ग पर अवैध रूप से लगाए गए हाथ ठेलों को हटवाया गया तथा एक हाथ ठेला जप्त किया गया। इसके पश्चात गांधी रोड क्षेत्र में अनाधिकृत रूप से लगाए गए बैनर एवं कटआउट भी हटवाए गए। इसी क्रम में महाराज बाड़ा क्षेत्र के सुभाष मार्केट, नजरबाग मार्केट, टोपी बाजार, एसबीआई बैंक क्षेत्र, हेमू चौक, छापाखाना, स्काउट एवं गांधी मार्केट सहित विभिन्न प्रमुख मार्गों पर कार्रवाई करते हुए सड़क एवं फुटपाथ पर लगाए गए हाथ ठेले तथा फड़ हटवाए गए।

कार्रवाई के दौरान मुख्य मार्गों को व्यवस्थित एवं आवागमन योग्य कराया गया। नगर निगम अधिकारियों ने संबंधित दुकानदारों एवं हाथ ठेला संचालकों को निर्देशित किया कि वे सार्वजनिक मार्गों एवं फुटपाथों पर अतिक्रमण न करें तथा निर्धारित स्थानों पर ही अपना व्यवसाय संचालित करें। निगम द्वारा स्पष्ट किया गया कि मुख्य मार्गों एवं फुटपाथों पर दोबारा अतिक्रमण किए जाने पर नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। उक्त कार्रवाई के दौरान मदाखलत निरीक्षक सुघर सिंह सिसोदिया सहित मदाखलत अमला मौके पर उपस्थित रहा।

खुले में सीवर सिल्ट का मलवा खाली करने वाले निजी ठेकेदार के वाहन पर निगम की कार्रवाई

■ एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

शमशान रोड, मुरार क्षेत्र में निजी ठेकेदार के वाहन द्वारा खुले में सीवर सिल्ट का मलवा खाली किए जाने की शिकायत प्राप्त होने पर नगर निगम आयुक्त अभिषेक चौधरी ने तत्काल संज्ञान लेते हुए संबंधित वाहन को जप्त करने तथा वाहन स्वामी के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए। निगमायुक्त श्री चौधरी के निर्देशों के पालन में उपायुक्त स्वास्थ्य मुकेश बंसल द्वारा स्वास्थ्य अधिकारी भीष्म पमनानी को तत्काल कार्रवाई करते हुए संबंधित वाहन जप्त करने के निर्देश दिए गए। निर्देशों के अनुपालन में निगम के अधिकारियों द्वारा मौके पर कार्रवाई करते हुए सीवर सिल्ट का मलवा खुले में खाली करने वाले वाहन को जप्त कर लिया गया। जप्त किए गए वाहन को नगर निगम ग्वालियर की पूर्व विधानसभा डिपो में सुरक्षित रूप

से खड़ा कराते हुए श्री अंकित सक्सेना को सुपुर्द किया गया। नगर निगम आयुक्त अभिषेक चौधरी ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि शहर में सीवर सिल्ट, कचरा अथवा अन्य अपशिष्ट को खुले स्थानों पर अनाधिकृत रूप से खाली करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि स्वच्छता एवं पर्यावरण को प्रभावित करने वाली ऐसी गतिविधियों पर सतत निगरानी रखते हुए दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

लायंस क्लब ग्वालियर सिटी का मिसेज ग्वालियर का फाइनल 16 को स्क्रीनिंग राउंड 8 सितंबर से

ग्वालियर। लायंस क्लब ग्वालियर सिटी द्वारा महानगर में पहली बार महिला सशक्तिकरण को बढावा देने के उददेश्य से मिसेज ग्वालियर प्रतियोगिता का आयोजन शहर के एक प्रतिष्ठित होटल में आयोजित किया जाएगा। उक्त जानकारी लायंस क्लब ग्वालियर सिटी के अध्यक्ष धीरज भटनागर सचिव किशोर सिंह चैहान ने पत्रकारों को दी। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया की महिलाओं की प्रतिभा व्यक्तित्व एवं आत्मविश्वास को एक प्रतिष्ठित मंच प्रदान करने के उद्देश्य से यह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है कार्यक्रम का फाइनल राउंड 16 सितंबर को ग्रांड कैंसल मेला ग्राउंड के पास आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया प्रतियोगिता के लिए दो आयु वर्गों में प्रविष्टियां आमंत्रित की गई हैं वर्ग ए में 40 वर्ष तक की आयु तथा वर्ग बी में 40 वर्ष से अधिक आयु की महिलाएं भाग ले सकेंगी। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए रजिस्ट्रेशन शुल्क 1000 रूपये निर्धारित किया गया है वहीं पंजीयन की अंतिम तिथि 6 सितंबर रखी गई है। आयोजन की विशेष बात यह रहेगी प्रतियोगिता भाग लेने वाली प्रत्येक प्रतिभागी को चांदी का राम दरबार एवं अन्य उपयुक्त उपहार प्रदान किए जाएंगे तथा विजेताओं को लगभग 50000 रूपये का पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे । उन्होंने बताया प्रतियोगिता का स्क्रीनिंग राउंड 8 सितंबर को होटल लैंडमार्क के दरबार हॉल में आयोजित किया जाएगा वही इस आयोजन के लिए निर्णायक मंडल ने दिल्ली मुंबई एवं राजस्थान से आने की अनुमति प्रदान की है ।

सम्पत्तिकर एवं जलकर में लें शत प्रतिशत अधिभार में छूट का लाभ

■ *एक सत बुलेटिन, ग्वालियर*

सम्पत्तिकर एवं जलकर के लंबित प्रकरणों में वसूली के लिए एवं प्रकरणों के निराकरण के लिए 12 सितंबर 2026 को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। निगमायुक्त अभिषेक चौधरी ने जानकारी देते हुए बताया कि माननीय सदस्य सचिव मप्र राज्य जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर एवं जिला न्यायालय ग्वालियर के आदेशानुसार लोक आदलत का आयोजन नगर निगम के समस्त क्षेत्रीय/वार्ड कार्यालय क्रमांक 1 लगायत 25 एवं जिला न्यायालय परिसर में किया जाएगा। अपर आयुक्त श्री मुनीष सिकरवार ने बताया कि निगमायुक्त श्री अभिषेक चौधरी के निर्देशन में शहर के नागरिकों के सम्पत्तिकर के लंबित वसूली प्रकरणों के निराकरण के लिए

आयोजित लोक अदालत में कर एवं अधिभार की राशि 50 हजार रुपए तक बकाया होने पर मात्र अधिभार में 100 प्रतिशत की छूट रहेगी। ऐसे प्रकरण जिनमें 50 हजार से 1 लाख तक की राशि बकाया है, उनके अधिभार में 50 प्रतिशत की छूट एवं 1 लाख रुपए से अधिक बकाया होने पर मात्र अधिभार में 25 प्रतिशत की छूट प्रदान की जाएगी। इसके साथ ही जल उपभोक्ता प्रभार/जलकर के ऐसे प्रकरण जिन पर कर एवं अधिभार की राशि 10 हजार रुपए तक बकाया होने पर मात्र अधिभार में 100 प्रतिशत की छूट रहेगी।

श्री मुनि सुव्रत नाथ दिगंबर जैन मंदिर की भव्य वेदी का शिलान्यास समारोह

जैन समाज ने किया मुनिसुव्रत नाथ वेदी शिलान्यास, दीप प्रज्वलित हुआ समारोह शुभारभ

■ एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

परम पूज्य राष्ट्रीय संत आचार्य श्री पुलक सागर महाराज के मंगल आशीर्वाद से डबरा जवाहरगंज स्थित श्री मुनि सुव्रत नाथ दिगंबर जैन मंदिर की भव्य वेदी का शिलान्यास समारोह का आज रविवार को शिलान्यास समारोह आयोजित किया गया। जिसने शिलान्यास समारोह में सकल जैन समाज के सैकड़ों लोग सम्मिलित हुए। शिलान्यास समारोह में दानवीरों का हुआ सम्मान। जैन समाज के प्रवक्ता सचिन जैन ने बताया कि वेदी शिलान्यास समारोह का शुभारंभ प्रतिष्ठाचार्य पंडित पवन जैन (दीवान) मंत्रों के उच्चारण के साथ ध्वजारोहण डॉ चन्द्रमोहन डॉ पवन जैन आगरा परिवार ने किया। वही मंगल कलश स्थापन संजय आदित्यमणि जैन एवं भगवान मुनि सुव्रत नाथ के चित्र का आवरण आशीष कुमार जैन ने ओर दीप प्रज्वलित पीसी जैन ग्वालियर ने किया। वही मंच उद्घाटन महावीर प्रसाद जैन ने किया। स्वागत उद्बोधन चौधरी वीरेंद्र जैन ने प्रस्तुत किया। मंगलाचरण नमामि चौधरी, डोल जैन, अक्षय जैन ने नृत्य से

किया। शिलान्यास की जानकारी अध्यक्ष चौधरी नरेश जैन ने प्रस्तुत किया। शिलान्यास समारोह के मुख्य अतिथि अखिल भारतीय वरैया महासभा के अध्यक्ष धरमचंद्र जैन थे। विशिष्ट अतिथि प्रमोद जैन, वीरेंद्र चौधरी नरवर, चक्रेश जैन मौजूद थे। अतिथियों का सम्मान वीरेंद्र जैन, विनोद जैन मामा, आशीष जैन, कैलाश जैन, सुरेश जैन आदि ने चंदन का तिलक ओर माला पहनकर सम्मानित किया। संचालन रविन्द्र जैन ओर सुरेंद्र जैन ने किया। आभार चौधरी वीरेंद्र जैन ने माना। इन्होंने किया वेदी का शिलान्यास जैन समाज प्रवक्ता सचिन जैन ने बताया कि वेदी शिलान्यास मूल वेदी प्रदाता दिनेश कुमार जैन एडवोकेट मीना जैन, वेदी के शिलान्यास प्रेमचंद जैन निश्चल जैन ने किया। वही अरिहंत शिला प्रमोद जैन, सिद्ध शिला मनोज सुनील जैन, आचार्य शिला कमल चंद्र दीपक जैन, उपाध्याय शिला विमला देवी निरुपमा हरीश जैन, साधु शिला महेंद्र सुरेंद्र जैन ने रखी। वही गैंती रविन्द्र जैन भितरवार, फावड़ा सुगंधचंद्र जैन संदीप जैन शिवपुरी, तसला श्रीमती विमला देवी जैन चौधरी वीरेंद्र जैन विक्रम जैन, कन्नी कोमलचंद्र उत्तम पवन जैन, हथौड़ी महावीर राकेश जैन, छेनी जवाहर लाल पंकज जैन ने राखी।

अमेरिका-कनाडा की कारोबारी दुश्मनी भारत के लिए फायदेमंद

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत-कनाडा के बीच आर्थिक रिश्ते मजबूत हो रहे हैं। ऐसा तब हुआ है जब अमेरिका के साथ ओटावा की ट्रेड टेंशन बढ़ गई है। इस व्यापारिक तनाव से कनाडा के आयात की पिक्चर बदलने लगी है। इससे भारत को वहां अपना एक्सपोर्ट बढ़ाने के नए मौके मिल सकते हैं। रुबिक्स डेटा साइंसेज के विश्लेषण से इसका पता चलता है। भारत और कनाडा 2030 तक वस्तुओं और सेवाओं के आपसी व्यापार को 50 अरब डॉलर तक बढ़ाने का टारगेट लेकर चल रहे हैं। वहीं, मार्च 2026 में शुरू हुए कॉम्प्रिहेंसिव इकोनॉमिक पार्टनरशिप एग्रीमेंट के लिए बातचीत का तीसरा दौर शुरू हो चुका है।

आपसी सहयोग के अगले चरण में एनर्जी, क्रिटिकल मिनरल्स, टेक्नोलॉजी, इनोवेशन और मजबूत सप्लाई चेन जैसे क्षेत्रों पर फोकस किए जाने की उम्मीद है।

कनाडा को भारत के एक्सपोर्ट बास्केट में भी धीरे-धीरे ज्यादा मूल्य वाले और मैन्युफैक्चर्ड उत्पादों की ओर बदलाव हो रहा है। वित्त वर्ष 2025-26 में कुल निर्यात में फार्मास्यूटिकल्स की हिस्सेदारी 11 प्रतिशत रही। यह वित्त वर्ष 2021-22 में 8 प्रतिशत थी। वहीं, ऑटो कंपोनेंट्स और हीरों की हिस्सेदारी में भी बढ़ोतरी हुई। इसी अवधि में टॉप 5 एक्सपोर्ट प्रोडक्ट्स का संयुक्त योगदान 19 प्रतिशत से बढ़कर 23 प्रतिशत हो गया।

रिपोर्ट में भारतीय निर्यातकों के लिए एक और संभावित अवसर की ओर इशारा किया गया है। कारण है कि कनाडा कई अमेरिकी उत्पादों पर रेसिप्रोकल टैरिफ लगाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। कनाडा 8 सितंबर से अमेरिका के कुछ खास उत्पादों पर 15 प्रतिशत, 25 प्रतिशत और 50 प्रतिशत का काउंटर-टैरिफ लगाने की योजना बना रहा है। इसमें स्टील, घरेलू उपकरण, खेती के उपकरण, पल्प और पेपर और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे सेक्टर शामिल हैं।

इन सेक्टर में भारत की पहले से ही अच्छी मौजूदगी है। वित्त वर्ष 2025-26 में इन खास सेक्टर से कनाडा को लगभग 1 अरब डॉलर के उत्पादों का निर्यात होने का अनुमान है।

कनाडा को बढ़ा है भारतीय एक्सपोर्ट

रुबिक्स डेटा साइंसेज के अनुसार, कनाडा को भारत का वस्तुओं का निर्यात वित्त वर्ष 2021-22 में 3.8 अरब डॉलर था। वित्त वर्ष 2025-26 में यह बढ़कर 4.7 अरब डॉलर हो गया। यह 6 प्रतिशत की कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट को दिखाता है। वित्त वर्ष 2025-26 में निर्यात में साल-दर-साल 10.6 प्रतिशत की ग्रोथ हुई। यह कनाडाई बाजार में नई तेजी का संकेत है। वहीं, कनाडा से भारत का आयात वित्त वर्ष 2023-24 में 4.6 अरब डॉलर के सबसे ऊंचे स्तर से घटकर वित्त वर्ष 2025-26 में 3.3 अरब डॉलर रह गया। आयात में साल-दर-साल 26.1 प्रतिशत की गिरावट ने भारत को वित्त वर्ष 2024-25 में 0.2 अरब डॉलर के व्यापार घाटे को वित्त वर्ष 2025-26 में 1.4 अरब डॉलर के ट्रेड सरप्लस में बदलने में मदद की। यह वित्त वर्ष 2022-2026 की अवधि के दौरान दर्ज किया गया सबसे बड़ा सरप्लस था। इस निर्यात में मशीनरी और मैकेनिकल उपकरणों का हिस्सा 37.94 करोड़ डॉलर था। इसके बाद लोहे और स्टील से बनी चीजों का हिस्सा 29.25 करोड़ डॉलर और इलेक्ट्रिकल मशीनरी और उपकरणों का हिस्सा 22.60 करोड़ डॉलर था।

संक्षिप्त समाचार

शुरुआत से ही बिजनेस ने सरकार के साथ करीबी रिश्ते बनाए हैं...

नई दिल्ली, एजेंसी। चार्ल्स कोच अमेरिका के जाने-माने उद्योगपति, दानवीर और राजनीतिक

रणनीतिकार हैं। वह अमेरिका की सबसे बड़ी निजी कंपनियों में से एक कोच इंडस्ट्रीज के चेयरमैन हैं। कोच इंडस्ट्रीज पेट्रोलियम रिफाइनिंग, रसायन, उर्वरक, कागज और खनिज जैसे पारंपरिक ऊर्जा और औद्योगिक क्षेत्रों में विशाल वैश्विक व्यापार चलाती है। चार्ल्स कोच अपने कट्टर मुक्त बाजार और उदारवादी राजनीतिक विचारों के लिए जाने जाते हैं। वह सरकारी हस्तक्षेप, सब्सिडी और अत्यधिक नियमों के सख्त खिलाफ रहे हैं। 'शुरुआत से ही बिजनेस ने सरकार के साथ करीबी रिश्ते बनाए हैं और कॉम्पिटिशन पर रोक और सब्सिडी जैसी चीजें हासिल की हैं।' यह कोट चार्ल्स कोच के 'मुक्त बाजार' के सिद्धांतों और 'क्रॉनी कैपिटलिज्म' के विरोध को साफ उजागर करता है। कोच का मानना है कि इतिहास गवाह है कि कई बड़ी कंपनियां और व्यापारी निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा से डरते हैं। इसलिए वे अपने फायदे के लिए नेताओं और सरकार से साठगांठ करते हैं ताकि उन्हें विशेष फायदे मिल सकें। जब कोई कंपनी सरकार के करीब आती है तो वह ऐसे नियम, कानून या लाइसेंसिंग नीतियां बनवाती है जिससे नए या छोटे प्रतिस्पर्धियों के लिए बाजार में आना मुश्किल हो जाए। इससे बड़ी कंपनियों का एकाधिकार कायम रहता है। कंपनियां सरकार से करदाताओं के पैसे से दी जाने वाली सब्सिडी, बेलआउट (वित्तीय मदद) या विशेष टैक्स छूट हासिल कर लेती हैं। चार्ल्स कोच खुद एक बेहद अमीर उद्योगपति हैं।

जीएमपी पहुंचा 372 रुपये, पहले दिन ही 2 गुना भरा आईपीओ, अभी दो दिन दांव लगाने का मौका

नईदिल्ली, एजेंसी। ग्रे मार्केट में इस समय एक बेहतर स्थिति में है। आईपीओ का जीएमपी 372 रुपये के स्तर पर है। जोकि 86 प्रतिशत के लिस्टिंग का संकेत दे रहा है। इस समय आईपीओस ग्रे मार्केट में सबसे मजबूत स्थिति में है। बता दें, अगर यही जीएमपी लिस्टिंग के वक्त भी रहा तो आईपीओ एक लॉट पर 12648 रुपये का फायदा दे सकता है। ग्रे मार्केट से मिल रहे रिस्पॉन्स का ही असर है कि पहले दिन ही आईपीओ पूरी तरह से भर गया। अब तक इस आईपीओ को 2.21 गुना सब्सक्राइब किया जा चुका है। रिटेल कैटगरी में आईपीओ को अबतक 2.84 गुना, क्यूआईबी में 0.01 गुना और एनआईआई कैटगरी में 3.70 गुना सब्सक्राइब किया गया है। प्राइस बैंड का प्राइस बैंड 408 रुपये से 429 रुपये प्रति शेयर है। कंपनी का लॉट साइज 34 शेयरों का है। जिसकी वजह से निवेशकों को कम से कम 14586 रुपये का दांव लगाना होगा। बता दें, आईपीओ 28 अगस्त को खुला था। निवेशकों के पास 1 सितंबर तक दांव लगाने का मौका रहेगा। यह आईपीओ एंकर निवेशकों के लिए 27 अगस्त को खुल गया था। एंकर इनवेस्टर्स से कंपनी ने 216 करोड़ रुपये जुटाए हैं। साइज 720 करोड़ रुपये का है। आईपीओ पूरी तरह से फ्रेश शेयरों पर आधारित है। आईपीओ के जरिए कंपनी 1.68 करोड़ फ्रेश शेयर जारी करेगी। लीड मैनेजर नियुक्त किया गया है। वहीं, रजिस्ट्रार बनाया गया है। इस आईपीओ से जुटाए 576 करोड़ रुपये से कंपनी इक्विपमेंट और इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए प्रयोग करेगी। बाकि पैसों का उपयोग जनरल कॉरपोरेट कार्यों के लिए होगा। इस इश्यू में मौजूदा निवेशक शेयर नहीं बेच रहे हैं। प्रमोटर और प्रमोटर ग्रुप के पास 46.06 प्रतिशत हिस्सा है। वहीं, पोस्ट आईपीओ के बाद 39.47 प्रतिशत हिस्सा है।

8वें वेतन आयोग में क्या बंद हो जाएगी रिटायर्ड कर्मचारियों की पेंशन? एसी-जेसीएम ने बताया पूरा सच

नई दिल्ली, एजेंसी। 8वें वेतन आयोग के लागू होने के बाद क्या रिटायर्ड कर्मचारियों को मिलने वाली पेंशन बंद हो जाएगी क्या पेंशन संशोधन का लाभ केवल 2026 के बाद रिटायर होने वालों को मिलेगा? सोशल मीडिया पर ऐसे काफी मैसेज वायरल हो रहे हैं। अब नेशनल काउंसिल के स्टाफ

साइड के महासचिव शिव गोपाल मिश्रा ने इस बारे में जानकारी दी है। उन्होंने ऐसी खबरों को पूरी तरह गलत बताया है। शिव गोपाल मिश्रा ने शनिवार को एक्स पर पोस्ट किए गए एक वीडियो संदेश में कहा कि कई पेंशनर्स ने उनसे सीधे संपर्क कर वायरल संदेशों के बारे में जानकारी मांगी थी। उन्होंने स्पष्ट किया कि इन दावों में कोई सच्चाई नहीं है। मिश्रा ने कहा कि उनके नाम से सोशल मीडिया पर ऐसे मैसेज प्रसारित किए जा रहे हैं, जिनमें दावा किया जा रहा है कि कुछ पेंशनर्स की पेंशन बंद हो जाएगी या केवल 2026 के बाद रिटायर होने वाले कर्मचारियों को ही पेंशन और उसमें संशोधन का लाभ मिलेगा। उन्होंने पेंशनर्स से ऐसी खबरों पर भरोसा नहीं करने की अपील करते हुए कहा कि ये सभी बातें पूरी तरह निराधार हैं।

कॉर्पोरेट जॉब छोड़ बनाया ब्रांड, अब 2 करोड़ महीने की कमाई, शेन वॉटसन और अक्षर पटेल भी पार्टनर

नई दिल्ली, एजेंसी। यह कहानी है आदित्य पोद्दार की। वह दिल्ली के रहने वाले हैं। कॉर्पोरेट जॉब छोड़कर उन्होंने एक सफल ब्रांड खड़ा

कर दिया है। आदित्य ने एहसास किया कि आम भारतीय रोजमर्रा के खान-पान में पर्याप्त प्रोटीन शामिल नहीं करते हैं। इसका कारण उत्पादों का महंगा या बेस्वाद होना है। इसी को ध्यान में रखकर उन्होंने 2022 में अपना स्टार्टअप शुरू किया। इसका नाम 'फिटफीस्ट' है। यह प्रोटीन शेक, प्रोटीन बार, प्रोटीन चिप्स जैसे प्रोडक्ट्स की पेशकश करता है। आज हर महीने यह ष्ठ2ष्ट ब्रांड 2 करोड़ से अधिक का रेवेन्यू हासिल कर रहा है। आइए, यहां आदित्य पोद्दार की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। दिल्ली के रहने वाले आदित्य पोद्दार ने जेआईआईटी नोएडा से कंप्यूटर साइंस में बी.टेक किया है। दो साल तक 'एक्सा' में एनालिटिक्स रोल में काम किया। अपनी खुद की फिटनेस यात्रा के दौरान उन्हें अहसास हुआ कि बाजार में प्रोटीन के विकल्प बेहद महंगे हैं। इनका बेस्वाद होना एक और समस्या है। रिसर्च से पता चला कि चार में से तीन भारतीय प्रोटीन-डेफिशिएंट हैं। लेकिन, मौजूदा ब्रांड्स सिर्फ एक छोटे वर्ग पर ही फोकस कर रहे हैं। इस समस्या को हल करने के लिए आदित्य ने अपनी बचत और दोस्तों-परिवार के सहयोग से पैसा जुटाकर 2022 में अपने स्टार्टअप की नींव रखी।

ब्रांड शुरू करने से पहले आदित्य ने लगभग 6 से 12 महीने फूड टेक्नोलॉजिस्ट्स के साथ मिलकर रिसर्च में लगाए। उन्होंने 50 से अधिक फॉर्मूलेशन पर काम किया ताकि स्वाद और पोषण का सही संतुलन बनाया जा सके। शुरुआती दिनों में थर्ड-पार्टी मैन्युफैक्चरर्स और कुशल टीम को जोड़ना बड़ी चुनौती थी। लेकिन, धीरे-धीरे सब पटरी पर आ गया। कंपनी ने प्रोटीन शेक, प्रोटीन बार, प्रोटीन चिप्स, कुकीज और पीनट बटर जैसे फॉर्मेट पेश किए।

शेन वॉटसन और अक्षर पटेल भी जुड़े

स्टार्टअप ने क्रिकेट जगत के बड़े नामों जैसे शेन वॉटसन और अक्षर पटेल को ब्रांड एंबेसडर बनाया। इतना ही नहीं, उन्हें कंपनी में इक्विटी शेयरहोल्डर और को-क्रिएटर के तौर पर भी जोड़ा। शेन वॉटसन के साथ मिलकर एक खास प्रोटीन कुकी भी लॉन्च की गई। सुरक्षा और पारदर्शिता के मामले में ब्रांड अपने हर बैच का एक्रेडिटेड लैब्स में परीक्षण करवाता है। रिपोर्ट्स वेबसाइट पर सार्वजनिक करता है। एफएसएसएआई लाइसेंस, जीएमपी और एफडीए मानकों का पालन करते हुए किफायती दामों में सस्ता प्रोटीन उपलब्ध कराना ब्रांड का मुख्य उद्देश्य रहा है। शार्क टैंक इंडिया सीजन 4 में आने के बाद ब्रांड के प्रति भरोसा और तेजी से बढ़ा।

हम चाहते हैं 1,580 सुजुकी जैसी कंपनियां', पीयूष गोयल ने पेश की भारत की दमदार छवि

नई दिल्ली, एजेंसी। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने जापानी कंपनियों से अपील की है। उनसे भारत में अपना इन्वेस्टमेंट बढ़ाने के साथ इंडस्ट्रियल पार्टनरशिप पर जोर देने को कहा है। पीयूष गोयल ने अपनी बात को रखते हुए सुजुकी की सफलता का उदाहरण भी दिया। ऐसा करके उन्होंने बताया कि भारत ग्लोबल कंपनियों को क्या-क्या मौके दे सकता है।

जापान यात्रा के दौरान गोयल ने कहा कि भारत में जापानी कंपनियों के लिए बड़े मौके हैं। उन्होंने और ज्यादा कंपनियों से भारत में आकर ग्लोबल स्तर पर अपने ऑपरेशंस शुरू करने को कहा।

अभी भारत में काम कर रही 1,580 जापानी कंपनियों का जिक्र करते हुए गोयल ने कहा कि देश को सुजुकी जैसी ही कई सफल कंपनियां बनाने का टारगेट रखना चाहिए।

केंद्रीय मंत्री बोले, 'हम चाहते हैं कि भारत से 1,580 सुजुकी जैसी कंपनियां निकलें।' उन्होंने जापानी कंपनियों और भारतीय उद्योग के लिए मौकों के बड़े दायरे पर जोर दिया।

गोयल ने यह भी बताया कि भारत में सुजुकी का मार्केट कैपिटलाइजेशन उसकी पैरेंट कंपनी से ज्यादा है। यह भारत में उसके कामकाज की मजबूती को दिखाता है। उन्होंने कहा कि दुनिया के कुछ सबसे बड़े और सबसे ज्यादा मुनाफा कमाने वाले ऑपरेशंस तेजी से भारत से उभर रहे हैं। 24 से 27 अगस्त तक गोयल की जापान यात्रा के दौरान 220 से ज्यादा भारतीय उद्योग प्रतिनिधि उनके साथ हैं। यह प्रतिनिधिमंडल दोनों देशों के

बीच व्यापार और औद्योगिक सहयोग को मजबूत करने पर फोकस कर रहा है। इस यात्रा का एक मुख्य फोकस 2011 के भारत-जापान व्यापार समझौते की समीक्षा करना और दोनों देशों के बीच व्यापार घाटे को कम करने की कोशिश करना है। भारत और जापान के बीच व्यापार अभी लगभग 27.47 अरब डॉलर का है। इसमें भारत का घाटा मुख्य रूप से खास मैन्युफैक्चरिंग और टेक्नोलॉजी उत्पादों के आयात के कारण है।

गोयल ने सुमितोमो कॉर्पोरेशन के सीईओ शिंगो उएनो से मुलाकात की और एनर्जी ट्रांजिशन, मोबिलिटी और औद्योगिक बुनियादी ढांचे के क्षेत्रों में भारत में कंपनी की भागीदारी बढ़ाने पर चर्चा की। उन्होंने मेइजी सेइका फार्मा के प्रेसिडेंट और रिप्रेजेंटेटिव डायरेक्टर तोशियाकी नागासातो से भी बातचीत की। उन्होंने फार्मास्यूटिकल्स, मैन्युफैक्चरिंग और रिसर्च एंड डेवलपमेंट में भारत-जापान सहयोग बढ़ाने के मौकों पर चर्चा की। मेइजी सेइका फार्मा ने संकेत दिया है कि वह जापानी इंसेफेलाइटिस वैक्सीन की सप्लाई के लिए सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के साथ साझेदारी करने पर विचार कर रही है।

भारत और जापान सेमीकंडक्टर, क्रिटिकल मिनरल्स और फार्मास्यूटिकल्स जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर भी विचार कर रहे हैं। जापान ने अगले 10 सालों में भारत में 62 अरब डॉलर का निवेश करने का टारगेट रखा है। इसमें से लगभग 1.2 अरब डॉलर का निवेश पहले ही किया जा चुका है। गोयल ने मित्सुबिशी कॉर्पोरेशन के प्रतिनिधि निदेशक जुरो बाबा से भी मुलाकात की। उनके साथ मोबिलिटी, एनर्जी और इंफ्रास्ट्रक्चर पर चर्चा की। इस यात्रा के दौरान भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने केइदानरेन और जापान चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के साथ बातचीत की। साथ ही फिनटेक एसोसिएशन ऑफ जापान और जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी के प्रतिनिधियों के साथ भी चर्चा की।

एक साल बाद होने वाली है जीएसटी काउंसिल की बैठक

नईदिल्ली, एजेंसी। जीएसटी काउंसिल की बैठक करीब एक साल बाद होने जा रही है। यह बैठक केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में 12 सितंबर को होगी। काउंसिल सचिवालय की ओर से जारी आधिकारिक सूचना के अनुसार जीएसटी काउंसिल की 57वीं बैठक नयी दिल्ली में होनी है और इससे एक दिन पहले 11 सितंबर को अधिकारियों की बैठक आयोजित की जाएगी। बता दें कि जीएसटी काउंसिल की 56वीं बैठक तीन-चार सितंबर, 2025 को हुई थी। इसमें केंद्र और राज्यों ने माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों और टैक्स स्लैब में बड़े बदलाव का फैसला किया था।

जीएसटी काउंसिल की 57 वीं बैठक में ऐसे कारोबारियों के लिए जीएसटी पंजीकरण प्रक्रिया सरल करने पर चर्चा होने की संभावना है, जो हर महीने 2.5 लाख रुपये से अधिक का 'टैक्स क्रेडिट' आगे देने हैं। मिंट ने 28 अगस्त को रिपोर्ट दी थी कि जीएसटी काउंसिल की बैठक सितंबर में होने की संभावना है और इसमें मोबाइल फोन पर 18 प्रतिशत जीएसटी कम करने पर विचार किया जा सकता है, साथ ही

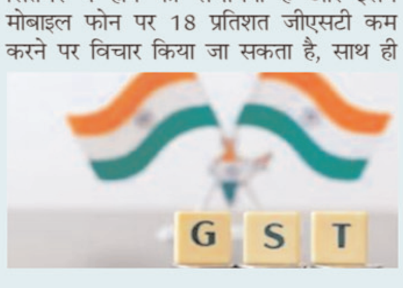

बैठक का एजेंडा तैयार किया जा रहा था। जीएसटी काउंसिल पिछले साल लस्ञ दरों को तर्कसंगत बनाने के अमल की भी समीक्षा कर सकती है, खासकर यह देखने के लिए कि क्या कम टैक्स का फायदा ग्राहकों तक पहुंचा है या नहीं। वर्तमान में करीब 1.68 करोड़ कारोबार जीएसटी के तहत रजिस्टर्ड हैं। प्रबंधन लीडर मनोज मिश्रा ने कहा कि लस्ञ सुधारों का अगला चरण पॉलिसी की निश्चितता में सुधार, कानूनी विवादों को कम करने और टैक्स एडमिनिस्ट्रेशन को अधिक अनुमानित बनाने पर केंद्रित हो सकता है। मिश्रा ने जिन क्षेत्रों पर प्रकाश डाला, उनमें लस्ञ से संबंधित कानूनी विवादों को कम करने की आवश्यकता शामिल है, विशेष रूप से व्याख्या से जुड़े मुद्दों पर। इस बीच, अगस्त के ग्रॉस जीएसटी कलेक्शन का इंतजार है। ये आंकड़े 31 अगस्त या एक सितंबर को जारी होंगे। बता दें कि जुलाई में 15.4 प्रतिशत बढ़कर 2.11 लाख करोड़ रुपये से अधिक पहुंच गया। पिछले वर्ष जुलाई में ग्रॉस जीएसटी कलेक्शन 1.83 लाख करोड़ रुपये रहा था। वहीं, जून 2026 में यह लगभग 1.95 लाख करोड़ रुपये था। सेवा कर (सीजीएसटी) से 39,835 करोड़ रुपये, राज्य माल एवं सेवा कर (एसजीएसटी) से 47,881 करोड़ रुपये और एकीकृत माल एवं सेवा कर (आईजीएसटी) से 1.23 लाख करोड़ रुपये से अधिक का कलेक्शन हुआ।

सरसों के दाम में उछाल, सोयाबीन और बिनौला तेल में गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। विदेशी बाजारों में मजबूती के बीच बीते सप्ताह सरसों तेल-तिलहन में सीमित बढ़त देखने को मिली। वहीं सोयाबीन तेल-तिलहन और बिनौला तेल के दाम गिरावट दर्शाते बंद हुए। लागत से कम दाम पर बिकवाली के बीच कच्चे पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तेल तथा ऊंचे दाम पर कमजोर कामकाज के बीच मूंगफली तेल-तिलहन के दाम स्थिर रहे। सोमवार को छुट्टी की वजह से मलेशिया एक्सचेंज बंद रहेगा।

बाजार सूत्रों ने कहा कि सरसों की उपलब्धता कम है जिसके कारण बीते सप्ताह सरसों तेल-तिलहन के दाम में मामूली सुधार देखने को मिला। यह भी तथ्य है कि ऊंचा दाम होने की वजह से सरसों की लिवाली कमजोर बनी हुई है। जब तिलहन के दाम ऊंचे हैं तो तेल के दाम स्वाभाविक रूप से अधिक ही होंगे। उन्होंने कहा कि सोयाबीन के बड़े संयंत्र किसानों से सस्ते में सोयाबीन की खरीद करने के मकसद से सोयाबीन का दाम घटाते-बढ़ाते रहते हैं।

बीते सप्ताह तेल संयंत्रों द्वारा दाम घटाये जाने के कारण सोयाबीन तेल-तिलहन के दाम में मामूली गिरावट रही। लेकिन यह भी तथ्य है कि सोयाबीन की उपलब्धता कम है और इसके तेल-रहित खल (डीओसी) की स्थानीय मांग बनी हुई है। हालांकि, इसके बावजूद आयातक लागत से नीचे दाम पर सोयाबीन एवं पाम-पामोलीन तेल बेच रहे हैं। ऐसी बिकवाली की वजह से विदेशों में मजबूती के बावजूद यहां उतना असर नहीं देखने को मिलता। सूत्रों ने कहा कि सहकारी

संस्था नाफेड के पास मूंगफली का स्टॉक है और मूंगफली की घट-बढ़ नाफेड की बिकवाली करने या नहीं करने पर निर्भर करती है। ऊंचे दाम पर लिवाली कमजोर रहने के बीच बीते सप्ताह मूंगफली तेल-तिलहन के दाम स्थिर बने रहे। आयातकों की लागत से नीचे दाम पर बिकवाली के बीच बीते सप्ताह पाम-पामोलीन तेल के दाम स्थिर बने रहे। आयातक बैंकों में अपना ऋष्टा साखपत्र (एलसी) घुमाते रहने के लिए 24 घंटे बिकवाल बने रहते हैं।

सूत्रों ने कहा कि बिनौला की उपलब्धता कम है। बिनौला का रिफाइंड तेल, मूंगफली तेल से ऊंचा बैठता है। उपलब्धता कम होने के बावजूद मूंगफली तेल के दाम नहीं बढ़ने से बीते सप्ताह बिनौला तेल में गिरावट देखने को मिली। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 50 रुपये की मजबूती के साथ 8,300-8,350 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी प्रकार सरसों तेल दादरी 100 रुपये के सुधार के साथ 16,800 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल भी क्रमशः 15-15 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 2,735-2,835 रुपये और 2,735-2,885 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 100-100 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 6,675-6,725 रुपये और 6,525-6,625 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी तरह, दिल्ली में सोयाबीन तेल 50 रुपये की गिरावट के साथ 15,750 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल 100 रुपये की गिरावट के साथ 15,550 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल 150 रुपये की गिरावट के साथ 12,050 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। बीते सप्ताह मूंगफली तिलहन का दाम 7,350-7,925 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 17,000 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 2,680-2,980 रुपये प्रति टिन पर स्थिर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सीपीओ तेल का दाम भी 13,950 रुपये प्रति क्विंटल पर स्थिर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली 15,850 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल 14,600 रुपये प्रति क्विंटल पर स्थिर रुख के साथ बंद हुआ।

कपड़ा निर्यातकों ने वाणिज्य मंत्री से सूती धागे के निर्यात को नियंत्रित करने का किया आग्रह

नई दिल्ली, एजेंसी। कपड़ा निर्यातकों ने वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल से सूती धागे की बढ़ती कीमतों पर लगाम लगाने और उद्योग की प्रतिस्पर्धात्मकता बनाए रखने के लिए इसके निर्यात को नियंत्रित करने की मांग की है। परिधान निर्यात संवर्धन परिषद (एईपीसी) के चेयरमैन ए. शक्तिवेल ने वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल को लिखे पत्र में कहा कि कच्चे कपास और सूती धागे की कीमतें आपूर्ति संबंधी दिक्कतों के कारण लगातार बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि जिनिंग मिलों के पास कपास का सीमित

भंडार और आवक में कमी के कारण कपड़ा मिलें भारतीय कपास निगम (सीसीआई) की नीलामी पर अधिक निर्भर हो रही हैं। शक्तिवेल ने कहा कि कपास की बड़ी मात्रा किसानों से व्यापारियों के पास चली गई है, जिससे बाजार में जमाखोरी और सट्टेबाजी को बढ़ावा मिल रहा है। उन्होंने कहा, एईपीसी ने धागे की कीमतों में तेज वृद्धि और भारत के कपड़ा निर्यात उद्योग की प्रतिस्पर्धात्मकता पर बढ़ते दबाव को देखते हुए सूती धागे, खासकर 20 काउंट और उससे अधिक के धागे के निर्यात को नियंत्रित करने के लिए उचित उपाय करने का आग्रह किया है।

शक्तिवेल ने कहा कि 2026 की शुरुआत में करीब 250 रुपए प्रति किलोग्राम की कीमत वाला सूती धागा अब करीब 400 रुपए प्रति किलोग्राम हो गया है यानी इसकी कीमत में करीब 60 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इससे कपड़ा विनिर्माण की पूरी श्रृंखला पर दबाव बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि अन्य कच्चे माल और ईंधन की बढ़ती लागत ने भी स्थिति को और गंभीर बना दिया है। पत्र में बांग्लादेश और वियतनाम जैसे कपड़ा उत्पादक देशों को भारत से कपास और सूती धागे के बढ़ते निर्यात का भी उल्लेख किया गया है।

'नशामुक्त युवा, विकसित भारत' के संकल्प में समाज के प्रत्येक वर्ग की भागीदारी जरूरी

प्रेरक प्रयासों को राष्ट्रीय मंच देती है 'मन की बात': मुख्यमंत्री साय

एक सत बुलेटिन, रायपुर

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज राजधानी रायपुर स्थित निरंजन धर्मशाला में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की 137वीं कड़ी का श्रवण किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि 'मन की बात' केवल एक रेडियो कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री श्री मोदी का देश के 140 करोड़ नागरिकों से आत्मीय संवाद का सशक्त माध्यम है। इस कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री देश के अलग-अलग हिस्सों में हो रहे नवाचारों, प्रेरक प्रयासों और समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने वाले लोगों की उपलब्धियों को पूरे देश के सामने रखते हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि देशवासियों को प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को प्रसारित होने वाले 'मन की बात' कार्यक्रम की प्रतीक्षा रहती है। प्रधानमंत्री इसमें ऐसे अनेक विषयों और व्यक्तित्वों का उल्लेख करते हैं, जिनके बारे में सामान्यतः देश के लोगों को जानकारी नहीं मिल पाती। इससे जहां अच्छे कार्य करने वाले लोगों का उत्साह बढ़ता है, वहीं उनके प्रयास लाखों देशवासियों के लिए प्रेरणा बनते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे देश के दूरस्थ गांवों और छोटे-छोटे क्षेत्रों में अनेक लोग बिना किसी प्रचार और स्वार्थ के समाज तथा राष्ट्रहित में उल्लेखनीय कार्य कर रहे हैं। कोई पर्यावरण संरक्षण में योगदान दे रहा है, कोई स्वच्छता के लिए कार्य कर रहा है, तो कोई स्थानीय संसाधनों के माध्यम से नवाचार कर अपने क्षेत्र में बदलाव ला रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी 'मन की बात' के माध्यम से ऐसे सामान्य लोगों के असाधारण कार्यों को राष्ट्रीय पहचान देते हैं। इससे देश में सकारात्मकता और जनभागीदारी की भावना मजबूत होती है तथा दूसरे लोगों को भी कुछ नया और बेहतर करने की प्रेरणा मिलती है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने आज 'नशामुक्त युवा, विकसित भारत' के संकल्प को लेकर महत्वपूर्ण संदेश दिया। युवा शक्ति विकसित भारत के निर्माण की सबसे बड़ी ताकत है। ऐसे में युवाओं को नशे से दूर रखना परिवार, समाज और राष्ट्र सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नशा केवल किसी एक व्यक्ति के जीवन को प्रभावित नहीं करता, बल्कि उसके दुष्प्रभाव पूरे परिवार और समाज को झेलने पड़ते हैं।

स्वस्थ, समर्थ और ऊर्जावान युवा पीढ़ी ही सशक्त राष्ट्र का निर्माण कर सकती है। उन्होंने प्रदेशवासियों से नशामुक्ति के प्रयासों में सक्रिय भागीदारी निभाने और युवाओं को स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवन के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' में 'हर घर तिरंगा' अभियान के प्रति देशवासियों के अभूतपूर्व उत्साह का भी उल्लेख किया। अभियान के अंतर्गत 8 करोड़ से अधिक देशवासियों ने तिरंगे के साथ अपनी सेल्फी अपलोड की। यह केवल एक आंकड़ा नहीं, बल्कि राष्ट्रध्वज के प्रति देशवासियों के सम्मान, गौरव और गहरे भावनात्मक जुड़ाव की अभिव्यक्ति है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के आह्वान पर 'हर घर तिरंगा' आज जन-जन का अभियान बन चुका है। ऐसे अभियान राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत करने के साथ प्रत्येक नागरिक को राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका और कर्तव्यों का स्मरण कराते हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री ने पीएम स्वनिधि योजना के माध्यम से महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण की भी चर्चा की। रेहड़ी-पटरी और छोटे व्यवसायों से जुड़ी महिलाओं को योजना के माध्यम से अपने कारोबार को आगे बढ़ाने और आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि पीएम स्वनिधि योजना के लाभार्थियों में लगभग 46 प्रतिशत महिलाएं हैं और देशभर में करीब 35 लाख महिलाएं इससे जुड़कर अपने छोटे व्यवसायों को नई गति दे रही हैं। आर्थिक रूप से सशक्त महिला न केवल अपने परिवार को मजबूत बनाती है, बल्कि समाज और देश की प्रगति में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए निरंतर नए अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

स्वच्छता केवल अभियान नहीं, जन-जन का संकल्प बने

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री ने स्वच्छता के महत्व को एक बार फिर रेखांकित किया है। स्वच्छता में स्थायी परिवर्तन तभी संभव है, जब यह केवल सरकारी अभियान न रहकर प्रत्येक नागरिक की आदत और जिम्मेदारी बने। उन्होंने कहा कि जब किसी गांव, शहर अथवा क्षेत्र के लोग स्वयं अपने परिवेश को स्वच्छ रखने का संकल्प लेते हैं, तो उसका प्रभाव केवल साफ–सफाई तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उस स्थान की पहचान और वहां के लोगों के जीवन की गुणवत्ता में भी सकारात्मक बदलाव आता है। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से अपने घर, मोहल्ले, गांव, शहर और आसपास के परिवेश को स्वच्छ रखने में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया। अंतरिक्ष विज्ञान में बेटियों की उड़ान, छत्तीसगढ़ की महिमा राजपूत पर गर्व मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आज भारत की बेटियां अपनी प्रतिभा और आत्मविश्वास से हर क्षेत्र में नई ऊंचाइयां छू रही हैं। उनकी आकांक्षाओं की उड़ान अब धरती से अंतरिक्ष तक पहुंच चुकी है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने 'मन की बात' में मिशन शक्ति सैट जैसे प्रेरक प्रयास का उल्लेख किया, जिसके माध्यम से भारत सहित विभिन्न देशों की हजारों छात्राओं को सैटेलाइट टेक्नोलॉजी को समझने, सीखने और नवाचार से जुड़ने का अवसर मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पूरे छत्तीसगढ़ के लिए विशेष गौरव का विषय है।

महतारी वंदन योजना की राशि से सुकन्या समृद्धि में बचत कर आर्थिक आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ाया कदम

एक सत बुलेटिन, कोरबा

महतारी वंदन योजना से महिलाओं को आर्थिक संबल मिलने के साथ ही वे अपने परिवार की जरूरतों और भविष्य की योजनाओं को लेकर भी आत्मनिर्भर निर्णय ले रही हैं। योजना के तहत मिलने वाली नियमित आर्थिक सहायता महिलाओं के लिए बचत और अपने बच्चों के बेहतर भविष्य की तैयारी का माध्यम बन रही है। कोरबा नगर अंतर्गत सीतामढ़ी क्षेत्र के विकास नगर निवासी श्रीमती ज्योति पटेल भी महतारी वंदन योजना से लाभांवित हो रही हैं। उन्हें हर माह एक हजार रुपये की राशि प्राप्त होती है। श्रीमती ज्योति पटेल इस राशि को अपनी दोनों बेटियों के भविष्य के लिए सुरक्षित कर रही हैं। उन्होंने दोनों बेटियों के नाम सुकन्या समृद्धि योजना में बचत शुरू की है।

श्रीमती पटेल बताती हैं कि महतारी वंदन योजना से मिलने वाली राशि ने उन्हें अपने स्तर पर बचत करने का अवसर दिया है। अब बेटियों के भविष्य के लिए थोड़ी-थोड़ी राशि बचाने के लिए उन्हें हर बार पति से पैसे मांगने की आवश्यकता नहीं पड़ती। हर माह मिलने वाली राशि को वे अपनी प्राथमिकता के अनुसार बेटियों के भविष्य के लिए सुरक्षित कर रही हैं। उन्होंने कहा कि हम मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय बहनों के बारे में सोचते हैं। वे समय पर बहनों के खातों में पैसे डाल देते हैं। महतारी वंदन योजना से मिलने वाली राशि से मुझे अपने मन के अनुसार बेटियों के भविष्य के लिए बचत करने की खुशी मिलती है। अब मुझे इसके लिए हर छोटी जरूरत पर पति से पैसे मांगने की जरूरत नहीं पड़ती। उन्होंने बहनों के बारे में सोचकर बहुत अच्छी योजना बनाई है, जिससे हम अपने परिवार और बच्चों के भविष्य के लिए भी कुछ कर पा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा की महतारी वंदन योजना की यह राशि अब केवल मासिक सहायता नहीं, बल्कि बेटियों के सपनों और सुरक्षित भविष्य के लिए एक छोटी लेकिन महत्वपूर्ण बचत बन गई है। सुकन्या समृद्धि योजना में नियमित बचत के माध्यम से वे अपनी दोनों बेटियों की शिक्षा और भविष्य की जरूरतों के लिए अभी से तैयारी कर रही हैं। वह कहती हैं कि उनकी इस पहल से महिलाओं को अपने हाथ में आर्थिक मजबूती मिली है। समय पर मिलने वाली राशि से महिलाएं अपनी जरूरतें पूरी करने के साथ-साथ बचत और भविष्य की योजनाओं पर भी ध्यान दे पा रही हैं।

नक्सलवाद खत्म, नेताओं की घट सकती है सुरक्षा

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ से नक्सलवाद को खत्म हुए करीब पांच महीने हो चुके हैं। अभी भी 100 से अधिक जन प्रतिनिधियों की सुरक्षा में सैकड़ों जवान लगे हुए हैं। इनमें से 40 जन प्रतिनिधि ऐसे हैं जिनकी सुरक्षा में भारी-भरकम जवान तैनात हैं। अब नेताओं की सुरक्षा हटाने या कम करने पर विचार किया जा रहा है। गृहमंत्री विजय शर्मा ने भी कहा कि नक्सलवाद खत्म हो चुका है तो अब सुरक्षा को लेकर समीक्षा की जाएगी। हटाने या कम करने या यथावत रखने का निर्णय समीक्षा के बाद ही लिया जाएगा। इस मामले को लेकर अधिकारियों ने कहा कि, नक्सल विरोधी ऑपरेशन के लिए जरूरी बल बस्तर में बना रहेगा, लेकिन नेताओं को मिले अतिरिक्त सुरक्षा घेरे की अलग से समीक्षा होगी। सुरक्षा समीक्षा का अर्थ सभी नेताओं से सुरक्षा वापस लेना नहीं होगा। जिन जनप्रतिनिधियों के खिलाफ अभी भी गंभीर खतरा पाया जाएगा, उनकी सुरक्षा बरकरार रखी जा सकती है। बदलाव मुख्य रूप से उस अतिरिक्त सुरक्षा में होने की संभावना है, जो नक्सली खतरे के चरम दौर में उपलब्ध कराई गई थी। नक्सलियों के प्रभाव वाले इलाकों में राजनीतिक गतिविधियों से जुड़े लोगों को लगातार खतरे की आशंका के चलते सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की जाती रही है। अब नक्सली गतिविधियों में भारी कमी आने और सुरक्षा बलों की लगातार सफलता के बाद प्राथमिकता बदलने की तैयारी है।

57 हजार 39 रुपए की लागत से चोरनई नदी पर 85 मीटर लंबा एनीकेट बनाने राशि स्वीकृत

एक सत बुलेटिन, कोरबा

कोरबा ब्लॉक के लेमरू क्षेत्र अंतर्गत चोरनई नदी पर 11 करोड़ 68 लाख 57 हजार 39 रुपए की लागत से 85 मीटर लंबा एनीकट बनाया जाएगा। जिला खनिज न्यास (डीएमएफ) से कलेक्टर कुणाल दुदावत ने निर्माण के लिए राशि स्वीकृत कर दी है। एनीकट बनने के बाद क्षेत्र के 13 गांवों की पेयजल योजनाओं को पानी उपलब्ध कराने के साथ करीब 200 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा विकसित हो सकेगी। निर्माण कार्य बारिश के बाद शुरू होने की संभावना है। उल्लेखनीय हैं की मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सुशासन तिहार के तहत ग्राम लेमरू पहुंचे थे। इस दौरान ग्रामीणों ने चोरनई नदी पर एनीकट निर्माण की मांग रखी थी। ग्रामीणों की मांग पर मुख्यमंत्री ने एनीकट निर्माण की घोषणा की। इसके बाद जल संसाधन विभाग की टीम ने स्थल निरीक्षण कर निर्माण का प्रस्ताव तैयार किया और विभागीय स्तर पर स्वीकृति के लिए भेजा। विभागीय मद से राशि मिलने में संभावित देरी को देखते हुए जिला प्रशासन ने जिला खनिज न्यास से निर्माण राशि स्वीकृत की है। अब तकनीकी स्वीकृति की प्रक्रिया पूरी होने के बाद टेंडर जारी किया जाएगा।चोरनई नदी पर प्रसिद्ध देवपहरी का गोविंद झुंझा जलप्रपात भी स्थित है। लेमरू क्षेत्र में गर्मी के दिनों में जल संकट की स्थिति बनती है। भू-जल स्तर नीचे जाने से कई स्थानों पर हैंडपंप बंद हो जाते हैं। ग्रामीणों की इसी समस्या को देखते हुए नदी पर पुल से करीब 500 मीटर नीचे एनीकट का निर्माण प्रस्तावित किया गया है। यह चोरनई नदी पर बनने वाला पहला एनीकट होगा। क्षेत्र में फिलहाल सिंचाई की कोई स्थायी सुविधा उपलब्ध नहीं है। एनीकट बनने से नदी के पानी को रोककर आसपास के गांवों की पेयजल योजनाओं और कृषि कार्यों के लिए उपयोग किया जा सकेगा। बताया जा रहा हैं की प्रस्तावित एनीकट की ऊंचाई 3.50 मीटर होगी। अधिकारियों के अनुसार एनीकट बनने से नदी के पानी का बहाव नियंत्रित होगा। वर्तमान में तेज बहाव के कारण बारिश के दौरान नदी में बाढ़ जैसी स्थिति भी बनती है। एनीकट से जलप्रवाह की गति कम होने और पानी के संरक्षण में मदद मिलने की उम्मीद है।

पिछड़ा वर्ग मोर्चा की जिला बैठक आयोजित, संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने पर हुआ मंथन

एक सत बुलेटिन, जगदलपुर

भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा वर्ग मोर्चा, जिला बस्तर द्वारा आज जिला स्तरीय संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक के प्रारंभ में उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के 'मन की बात' कार्यक्रम का श्रवण किया। इसके पश्चात आयोजित जिला स्तरीय संगठनात्मक बैठक में संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक मजबूत एवं सक्रिय बनाने, कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी बढ़ाने तथा आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से संचालित करने को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा एवं मंथन किया गया। बैठक में वरिष्ठ पदाधिकारियों ने कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि संगठन की मजबूती के लिए प्रत्येक कार्यकर्ता को अपने-अपने क्षेत्र में सक्रियता के साथ कार्य करना होगा। साथ ही समाज के सभी वर्गों तक भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा एवं केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास करना होगा। बैठक में बस्तर संभाग प्रभारी, पिछड़ा वर्ग मोर्चा हेमराज सोनी जी एवं जिला प्रभारी, पिछड़ा वर्ग मोर्चा भूपेश चंद्राकर जी ने संगठनात्मक विषयों पर मार्गदर्शन प्रदान किया तथा आगामी कार्यक्रमों को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मंडल अध्यक्ष प्रकाश झा, सुरेश गुप्ता, संजय चंद्राकर, तथा पूर्वी मंडल अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग मोर्चा मानिक राम पंत जी,पुनीत साहू,सहित भाजपा एवं पिछड़ा वर्ग मोर्चा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

माइंस प्रबंधन ने स्टेट हाईवे क्रमांक-25 की सड़क सुधार का काम करवाया

कांकेर। जिले के पखांजूर-कापसी क्षेत्र को आपस में जोड़ने वाली लाइफलाइन मानी जाने वाली स्टेट हाईवे क्रमांक-25 पर सफर करने वाले यात्रियों और स्थानीय ग्रामीणों के लिए अच्छी खबर है, बारिश के कारण जगह जगह जर्जर हो चुकी इस सड़क के गड्ढों को भरने और आवागमन को सुचारू बनाने के लिए सूरजाधर माइंस प्रबंधन ने बीड़ा उठाया है। सड़क के इस सबसे खराब हिस्से की मरम्मत होने से स्थानीय ग्रामीणों और रोजाना सफर करने वाले यात्रियों ने राहत की सांस ली है। ग्रामीणों ने माइंस प्रबंधन की इस पहल को सराहा है और उम्मीद जताई है ग्रामीणों ने माइंस प्रबंधन की इस पहल को सराहा है और उम्मीद जताई है कि पक्की सड़क बनने तक मेंटेनेंस की यह व्यवस्था इसी तरह बनी रहेगी। मिली जानकारी के अनुसार लगातार हो रही बारिश की वजह से स्टेट हाईवे-25 पर कई स्थानों पर बड़े बड़े गड्ढे बन गए थे,जिससे दोपहिया और चारपहिया वाहन चालकों के लिए दुर्घटना का खतरा काफी बढ़ गया था। माइंस प्रबंधन ने सामाजिक सरोकार दिखाते हुए पहले पी.वी. 39 के पास सड़क सुधार का काम कराया और अब पी.वी. 33 गांव के पास भी गिट्टी डालकर गड्ढों को समतल कर दिया है। माइंस प्रबंधन के अधिकारियों का कहना है कि रोजाना इस मार्ग से सैकड़ों छात्र, कर्मचारी ,मरीज और व्यापारी गुजरते है। बारिश के दौरान सड़क निर्माण का काम पूरा होना कठिन है, लेकिन जब तक मानसून खत्म नहीं होता और नई सड़क का निर्माण कार्य शुरू नहीं हो जाता तब तक आवश्यकतानुसार पेचवर्क और रिपेयरिंग का काम लगातार जारी रखा जाएगा ताकि आम लोगों को सफर में कोई परेशानी न हो।

दर्री जोन के 05 वार्डो को मिली 01 करोड़ 25 लाख रू. के नये विकास कार्यो की सौगात

कैबिनेट मंत्री एवं महापौर संजूदेवी राजपूत ने किया 01 भूमिपूजन तथा लोकार्पण

एक सत बुलेटिन, कोरबा

कोरबा नगर पालिक निगम के विकास कार्यो की कड़ी में दर्री जोन के वार्ड क्र. 50, 51, 52, 58 एवं 59 को 01 करोड़ 25 लाख रूपये के नवीन विकास कार्यो की सौगात प्राप्त हुई। प्रदेश के उद्योग, वाणिज्य, श्रम, आबकारी व सार्वजनिक उपक्रम मंत्री सह कोरबा नगर विधायक लखनलाल देवांगन के मुख्य आतिथ्य एवं महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रमों के दौरान उनके हाथों 01 करोड़ रूपये के विकास कार्यो का भूमिपूजन तथा 25 लाख रूपये के विकास कार्य का लोकार्पण किया गया। इस मौके पर सभापति नूतन सिंह ठाकुर, वरिष्ठ पार्षद नरेन्द्र देवांगन सहित निगम के पार्षदगण, जनप्रतिनिधिगण विशेष रूप से उपस्थित थे। नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा वार्ड क्र. 50 अंतर्गत दर्री एचटीपीएस कालोनी में जनता यूनियन कार्यालय के पास 10 लाख रूपये की लागत से अतिरिक्त व शौचालय का निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 51 अंतर्गत स्याहीमुड़ी में 10 लाख रूपये की लागत से उप स्वास्थ्य केन्द्र का उन्नयन कार्य, वार्ड क्र. 51 अंतर्गत स्याहीमुड़ी ऊपरपारा बस्ती में 15 लाख रूपये की लागत से सामुदायिक भवन निर्माण, वार्ड क्र. 52 अंतर्गत अयोध्यापुरी में सीपेट के सामने 15 लाख रूपयेय की लागत से सामुदायिक भवन निर्माण, वार्ड क्र. 58 अंतर्गत श्यामनगर साडा कालोनी में जैतखाभ के पास 25 लाख रूपये की लागत से सामुदायिक भवन व बाउण्ड्रीवाल निर्माण तथा वार्ड क्र. 59 अंतर्गत दर्री खालेपारा में 25 लाख रूपये की लागत से सार्वजनिक मंच व नाली निर्माण का कार्य किया जाना हैं, जिन कार्यो का भूमिपूजन आज उद्योग मंत्री श्री देवांगन तथा महापौर श्रीमती राजपूत के हाथों किया गया। इसी प्रकार वार्ड क्र. 58 सरदार पटेलनगर सामुदायिक भवन में 25 लाख रूपये की लागत से प्रथम तल का निर्माण व अन्य विस्तार कार्य पूर्ण कराया गया है, जिसका लोकार्पण भी उनके द्वारा सम्पन्न किया गया है। इस अवसर पर दिये गये उद्बोधन में कैबिनेट मंत्री लखनलाल देवांगन ने कहा कि देश की केन्द्र सरकार व छत्तीसगढ़ की राज्य सरकार की दर्जनों जनकल्याणकारी योजनाओं से प्रदेश व देश के करोड़ो परिवार लाभांवित हो रहे हैं, इन योजनाओं की बदौलत लोगों का जीवन स्तर ऊपर उठ रहा है। उन्होने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से प्राप्त हो रहे लगातार मार्गदर्शन में प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अगुवाई में राज्य सरकार छत्तीसगढ़ का तेजी से विकास कर रही है। उन्होने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटलबिहारी वाजपेयी ने हम सबको छत्तीसगढ़ राज्य को तोहफा दिया था, और अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हमारे छत्तीसगढ़ को सजाने संवारने का कार्य कर रहे हैं। जब छत्तीसगढ़ की कमान संभाली उस समय प्रदेश की स्थिति ठीक नही थी, किन्तु उन्होने छत्तीसगढ़ राज्य का तेजी से विकास किया।

प्रधानमंत्री मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 137वें संस्करण का प्रसारण

देश में तेजी से आगे बढ़ रहा नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत अभियान : मुख्यमंत्री

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में देश के युवाओं को किसी भी प्रकार के नशे के सेवन से बचाने और नशे की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत अभियान की सराहना की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर कहा कि सबके सहयोग से पूरे देश में यह अभियान बड़ी तेजी से आगे बढ़ रहा है। यह अभियान 2 अगस्त से पूरे देश में प्रारंभ हो चुका है। अभियान 100 सप्ताह तक लगातार चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत नागरिकों विशेषकर युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित कर उन्हें संकल्पित कराया जा रहा है। अभियान के तहत प्रत्येक रविवार को समाज सेवा और जन-जागरूकता से जुड़ी विशेष गतिविधियां भी आयोजित की जा रही हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के रविवार को प्रसारित हुए लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 137वें संस्करण में नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत अभियान का जिक्र किया। उन्होंने देश के सभी युवाओं से इस अभियान में सक्रिय सहभागिता करने की अपील की। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारे युवा साथी वर्तमान जनरेशन की अभिरूचि के अनुसार रोचक कैम्पेन कंटेंट, प्ले, स्लोगन्स, जिंगल्स, सांग्स, क्रियेटिव्स, ग्राफ्रिक्स आदि बनाकर इस अभियान को और भी गति दे सकते हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत' अभियान इस समय पूरे देश में तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसका लक्ष्य बिल्कुल साफ है - नशा मुक्त युवा, ड्रग फ्री इंडिया। बहुत सारे लोग, विशेषकर हमारे युवा बहुत बड़ी संख्या में इसका हिस्सा बन रहे हैं। आखिर यह भारत के युवाओं की हेल्थ, उनकी हैप्पीनेस और उज्ज्वल भविष्य के लिए ही हमारा सामूहिक संकल्प है। उन्होंने कहा कि नशे की लत सिर्फ एक व्यक्ति को प्रभावित नहीं करती , इसके दुष्परिणाम पूरे परिवार और समाज को भी झेलने पड़ते हैं। मैं उन लोगों की सराहना करूंगा जो ड्रग्स के खिलाफ दूसरों को जागरूक करते हैं और नशे की लत से जूझ रहे लोगों की मदद में आगे आते हैं। नशा मुक्त भारत के लिए क्या आप कोई पॉवरफुल स्लोगन बना सकते हैं ? क्या हमारे यंग म्युजिशियन्स ऐसे सांग्स बना सकते हैं, जिनमें ड्रग फ्री लाइफ का मैसेज हो ? क्या स्टूडेंट्स और थियेटर ग्रुप्स दिल को छू लेने वाले शॉर्ट प्लेज़ लिख सकते हैं, जिनमें ड्रग्स के खतरों के साथ-साथ उनसे बाहर निकलने का रास्तों का जिक्र भी हो। हमारे देश में बेहतरीन कंटेंट क्रियेटर्स की कमी नहीं हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने युवाओं से आग्रह करते हुए कहा कि वे अलग-अलग भाषाओं में ऐसा कंटेंट बनाएं, जिससे इस दिशा में समाज को मदद मिले। आप अपने प्रयासों को हैशटैग के साथ सोशल मीडिया पर भी जरूर शेयर करें। कई बार क्रियेटिव एफर्ट फॉरमल कैम्पेन से भी ज्यादा असरदार होते हैं। आइए, भारत के युवा को नशे से दूर रखने, नशे से मुक्त रखने, इस पवित्र कार्य में हम सब अपनी भूमिका निभाएं। आप अपने प्रयास को नशा मुक्त युवा के साथ सोशल मीडिया पर भी जरूर शेयर करें।मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि देश में 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत' अभियान तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि युवाओं को नशे से दूर रखकर उन्हें स्वस्थ, सशक्त और रचनात्मक दिशा देना विकसित भारत के निर्माण के लिए बेहद जरूरी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नशे की लत न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य और भविष्य को प्रभावित करती है, बल्कि परिवार और समाज पर भी इसका नकारात्मक असर पड़ता है। ऐसे में युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए जनजागरूकता अभियान और सामाजिक भागीदारी को लगातार बढ़ावा दिया जाना चाहिए। डॉ. यादव ने कहा कि देश के युवा भारत की सबसे बड़ी ताकत हैं। यदि युवा अपनी ऊर्जा और प्रतिभा का उपयोग शिक्षा, रोजगार, खेल, नवाचार और राष्ट्र निर्माण में करें तो देश तेजी से विकास की नई ऊंचाइयों को छू सकता है। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने और अन्य लोगों को भी इसके दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने का आह्वान किया।

मोदी जी के संकल्प और व्यापारी समाज के साथ से विकसित बनेगा भारत : विधानसभा अध्यक्ष तोमर

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

मध्यप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि व्यापार और व्यवसाय देश की अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार हैं। व्यापार का विस्तार और व्यापारियों के सामने आने वाली कठिनाइयों का समाधान देश की आर्थिक प्रगति के लिए आवश्यक है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प और व्यापारी समाज के सहयोग से विकसित भारत का निर्माण संभव है। श्री तोमर विधानसभा परिसर स्थित मानसरोवर सभागार में कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के व्यापारिक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बड़े सुधारों के लिए स्पष्ट संकल्प, साफ नीयत और प्रभावी नीतियां जरूरी हैं। व्यापारियों की कठिनाइयां दूर करने के उद्देश्य से जीएसटी जैसे कर सुधार किए गए। शुरुआती दौर में कुछ परेशानियां आई, लेकिन व्यापक राष्ट्रीय हित में व्यापारी समाज और जनता ने इन सुधारों का सहयोग किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने 'मेक इन इंडिया' और 'लोकल फॉर वोकल' के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत की दिशा में महत्वपूर्ण विचार दिया है। लोकल फॉर वोकल का अर्थ केवल त्योहारों पर स्थानीय उत्पाद खरीदना नहीं, बल्कि स्थानीय उत्पादों, कारीगरों, छोटे व्यापारियों, स्वयं सहायता समूहों और ग्रामीण उद्यमियों को लगातार प्रोत्साहित करना है। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि देश में वंदे भारत जैसी ट्रेनों का निर्माण भारत की तकनीकी क्षमता और स्वदेशी शक्ति का उदाहरण है। इसमें सरकार के साथ उद्योग और व्यापार जगत का योगदान भी महत्वपूर्ण है।

अब क्राइम इन्वेस्टीगेशन का पूरा प्रोसीजर डिजिटल, जॉच के दौरान होने वाली लापरवाही पर लगेगा अंकुश

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

आपराधिक मामलों की जांच के रिकार्ड में कई बार अहम सुराग गुम होने या लापरवाही की बातें सामने आने पर पीएचक्यू की सीआईडी शाखा ने अहम कदम उठाया है। इस संबंध में पीएचक्यू की सीआईडी शाखा ने भोपाल और इंदौर के पुलिस आयुक्त समेत सभी पुलिस अधीक्षकों को निर्देश दिए है। इतना ही नहीं पुलिस की अन्य शाखाओं जीआरपी, नारकोटिक्स, एसटीएफ साइबर को भी इस सिस्टम के तहत काम करना होगा। पुलिस को केस डायरी समेत अन्य दस्तावेज सीसीटीएनएस के साथ ही ई साक्ष्य पोर्टल पर अपलोड करने पड़ेंगे। इसके फायदा यह होगा कि समस्त दस्तावेजों का रिकार्ड डिजिटल रूप से सुरक्षित हो जाएगा। आपराधिक मामलों का डिजिटल रिकार्ड आवश्यकता के मुताबिक अभियोजन और कोर्ट के मांगे जाने पर पहुंच जाएगा। दरअसल किसी भी आपराधिक मामले की जांच में लंबा समय लगता है। उसमें फरियादी पक्ष और गवाहों के बयान समेत मौके से काफी साक्ष्य का संकलन की लंबी प्रक्रिया है। इस पूरी प्रक्रिया से जुड़े दस्तावेज केस डायरी के साथ प्रस्तुत किए जाने का प्रावधान है। कई प्रकरणों में अदालत पुलिस से घटनाक्रम से जुड़े आवश्यक दस्तावेज मांगती है जिसे मैनुअल तरीके से प्रस्तुत करने में पुलिस को समय लगता है। डिजिटल रिकार्ड पुलिस तत्काल कोर्ट में प्रस्तुत कर सकती है। अधिकारियों का कहना है कि मैनुअल रिकार्ड को तलाशने में देरी होती है। वहीं गुम होने का डर रहता है। डिजिटल रिकार्ड स्थाई रूप से सुरक्षित हो जाता है। वहीं समय समय पर एजेसियों के मांगने पर आसानी से प्रस्तुत भी किया जा सकता है।

मायके से लौटी पत्नि फंदे पर लटका मिला पति का शव

भोपाल। शहर के हबीबगंज थाना इलाके में रहने वाले एक स्क्रैप कारोबारी ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। हादसे के समय मृतक घर में अकेले थे। शुरुआती जॉच में फिलहाल आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है, जिसकी पुलिस जॉच कर रही है। पुलिस के मुताबिक स्क्रैप का कारोबार करने वाले गोपाल कनाडे (50) पिता फत्तु कनाडे 12 नंबर मल्टी (इंद्रा नगर) में रहते थे। उनके परिवार में पत्नी के अलावा एक बेटा और एक बेटी हैं। शनिवार को उनकी पत्नी मायके गई हुई थीं, जबकि दोनों बच्चे घर से बाहर थे। बताया गया है की शाम करीब 7 बजे गोपाल ने घर में रस्सी का फंदा बनाकर खिड़की के सहारे फांसी लगा ली। देर रात जब पत्नी मायके से वापस लौटीं तो घर का मुख्य दरवाजा खुला था, अंदर जाकर देखने पर उन्हें पति गोपाल का शरीर फंदे पर लटका नजर आया।

एम्स भोपाल की पीएचडी शोध छात्रा मयूरी बिसेन ने राष्ट्रीय सम्मेलन में जीता प्रथम पुरस्कार

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

एम्स भोपाल के जैवरसायन विभाग की पीएचडी शोध छात्रा सुश्री मयूरी बिसेन ने राष्ट्रीय स्तर के वैज्ञानिक सम्मेलन बायबायोमेडिका-2026 में मौखिक शोध प्रस्तुति श्रेणी में प्रथम पुरस्कार प्राप्त कर संस्थान का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने डॉ. सुखेस मुखर्जी के मार्गदर्शन में 'भारी धातुओं के संपर्क से उत्पन्न कोशिकीय तनाव में सर्वाइवरिन की भूमिकाः एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन' विषय पर शोध प्रस्तुत किया। शोध प्रस्तुति का सारांश कोड एनएमएमटीए-बीओपी-01 था। शोध में यह समझने का प्रयास किया गया कि सीसा, पारा और अन्य भारी धातुओं के संपर्क में आने पर शरीर की कोशिकाओं में किस प्रकार का तनाव उत्पन्न होता है और इस दौरान सर्वाइवरिन किस तरह भूमिका निभाता है। भारी धातुओं के संपर्क से कोशिकाओं की सामान्य कार्यप्रणाली प्रभावित हो सकती है। ऐसे में सर्वाइवरिन कोशिकाओं की गतिविधियों और तनाव के प्रति उनकी प्रतिक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। शोध का उद्देश्य इसी प्रक्रिया को बेहतर ढंग से समझना है। भारी धातुओं का संपर्क पर्यावरण और कुछ कार्यस्थलों के माध्यम से होने की संभावना के कारण इस क्षेत्र में शोध महत्वपूर्ण माना जाता है। यह अध्ययन भविष्य में भारी धातुओं के कारण स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों को समझने में उपयोगी हो सकता है। उनके मार्गदर्शक डॉ. सुखेस मुखर्जी, सहकर्मियों और एम्स भोपाल परिवार ने प्रसन्नता व्यक्त की। संस्थान के कार्यपालक निदेशक लेफ्टिनेंट जनरल (डॉ.) नरेन्द्र कोतवाल (रि.) के प्रोत्साहन और मार्गदर्शन को भी इस उपलब्धि में महत्वपूर्ण बताया गया है।

प्रदेश के लगभग 1 लाख 22 हजार विद्यार्थियों को लैपटॉप खरीदने के लिए मिलेंगे 25-25 हजार रुपये

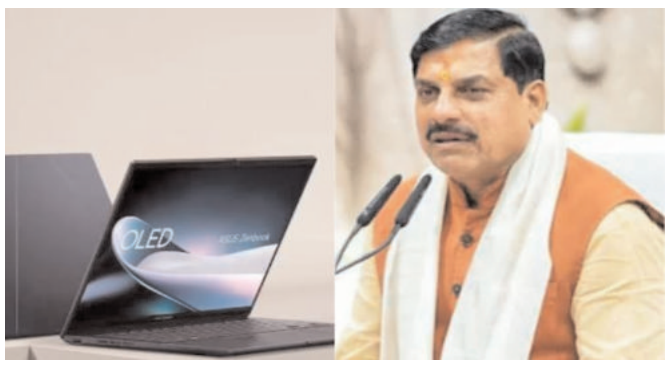

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

कक्षा 12वीं में प्रथम प्रयास में 75 प्रतिशत या अधिक अंक पाने वाले प्रदेश के मेधावी विद्यार्थियों का आधुनिक तकनीक से जुड़ने का सपना जल्द ही पूरा होने जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव प्रदेश के लगभग 1 लाख 22 हजार विद्यार्थियों को लैपटॉप खरीदने के लिए 25-25 हजार रुपये की राशि का अंतरण करेंगे। विद्यार्थियों को यह राशि 1 सितंबर को कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर, भोपाल में आयोजित लैपटॉप क्रय के लिये राशि वितरण कार्यक्रम के दौरान प्रदान की जाएगी। प्रदेश सरकार द्वारा विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने और उन्हें डिजिटल तकनीक से जोड़ने के उद्देश्य से स्कूल शिक्षा विभाग के माध्यम से प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना चलाई जा रही है। इसके अंतर्गत कक्षा 12वीं की परीक्षा में पहले ही प्रयास में 75 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले प्रत्येक पात्र विद्यार्थी को लैपटॉप खरीदने के लिए 25 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाती है। प्रदेश सरकार द्वारा योजना के अंतर्गत इस वर्ष प्रदेश के लगभग 1 लाख 22 हजार विद्यार्थियों को लाभान्वित किया जा रहा है। प्रत्येक विद्यार्थी के खाते में 25 हजार रुपये की राशि अंतरित की जाएगी। इस प्रकार विद्यार्थियों को कुल 304 करोड़ 98 लाख 50 हजार रुपये से अधिक की राशि का अंतरण किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि प्रदेश सरकार की यह पहल प्रदेश के मेधावी विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए आवश्यक डिजिटल संसाधन उपलब्ध कराने के साथ-साथ उन्हें आधुनिक तकनीक से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

महापौर राय ने किया आरोह-2026 का शुभारंभ

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

महापौर मालती राय ने रविवार को स्थानीय रविन्द्र भवन के गौरांजली सभागार में दिल्ली के सांसद प्रवीण खण्डेलवाल की उपस्थिति में आरोह-2026 का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर महापौर ने कार्यक्रम के आयोजकों एवं सहभागियों को बधाई और शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में महापौर श्रीमती मालती राय ने आयोजन की सराहना करते हुए सहभागियों का उत्साहवर्धन किया। समारोह में जोन अध्यक्ष के अलावा कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के राष्ट्रीय अध्यक्ष बी.सी. भाटिया, महिला विंग की अध्यक्ष श्रीमती संगीता पाटिल सहित पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। दीप प्रज्ज्वलन के साथ शुरू हुए आरोह-2026 कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े प्रतिनिधियों और सहभागियों ने भाग लिया। आयोजन के दौरान अतिथियों ने कार्यक्रम की सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं।

साफ-सफाई में लापरवाही पर चिकन-मटन दुकानदारों सहित 7 पर कार्रवाई

भोपाल। नगर निगम भोपाल द्वारा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के तहत शहर में स्वच्छता एवं अपशिष्ट प्रबंधन व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है। नियमों का उल्लंघन करने, गंदगी फैलाने और बिना लाइसेंस व्यवसाय संचालित करने वालों के विरुद्ध निगम अमले ने रविवार को कार्रवाई करते हुए 7 प्रकरणों में कुल 11 हजार रुपये का स्पॉट फाइन वसूल किया। निगम आयुक्त श्रीमती संस्कृति जैन के निर्देश पर जोन क्रमांक 16 के अमले ने वार्ड क्रमांक 67 स्थित अयोध्या बायपास चौराहे पर चिकन-मटन दुकानों का निरीक्षण किया। इस दौरान दुकानों के लाइसेंस सहित अन्य व्यवस्थाओं की जांच की गई। दुकान के आसपास गंदगी पाए जाने पर 6 चिकन-मटन व्यवसायियों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए 6 हजार रुपये का जुर्माना वसूला गया। इसी तरह इन्द्रपुरी सी-सेक्टर में बिना लाइसेंस दुकान संचालित करने और गंदगी फैलाने पर एक दुकान संचालक के विरुद्ध कार्रवाई की गई। उससे 5 हजार रुपये का स्पॉट फाइन वसूल किया गया।

पेंशन फाइल रोकना पड़ेगा भारी, हर स्तर पर तय हुई डेडलाइन

सेवानिवृत्त कर्मचारी की पेंशन अटकी तो तय होगी जवाबदेही

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

प्रदेश में सेवानिवृत्त कर्मचारियों के पेंशन प्रकरणों में अनावश्यक देरी अब संबंधित अधिकारियों-कर्मचारियों को भारी पड़ सकती है। वित्त विभाग ने राज्य केन्द्रीयकृत पेंशन प्रोसेसिंग सेल के तहत ऑनलाइन पेंशन प्रकरणों के निराकरण के लिए क्रियेटर, वेरीफायर और एप्रूवर के प्रत्येक स्तर पर अधिकतम समय-सीमा तय कर दी है। निर्धारित अवधि में प्रकरण का निराकरण नहीं होने पर संबंधित स्तर की जवाबदेही तय कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। नई व्यवस्था के तहत सामान्य नवीन पेंशन प्रकरण में तीनों स्तरों के लिए पांच-पांच कार्य दिवस निर्धारित किए गए हैं। इस तरह पूरा प्रकरण अधिकतम 15 कार्य दिवस में निपटाना होगा। पुनरीक्षित पेंशन प्रकरणों में क्रियेटर को चार तथा वेरीफायर और एप्रूवर को तीन-तीन कार्य दिवस दिए गए हैं। ऐसे प्रकरण अधिकतम 10 कार्य दिवस में पूरे होंगे। वेतन निर्धारण के मामलों में क्रियेटर के लिए पांच और वेरीफायर तथा एप्रूवर के लिए तीन-तीन कार्य दिवस तय किए गए हैं। इस प्रक्रिया की कुल समय-सीमा 11 कार्य दिवस होगी। वित्त विभाग की समीक्षा में विभिन्न संभागीय और जिला कार्यालयों में पेंशन प्रकरणों के लंबे समय तक लंबित रहने की स्थिति सामने आई थी। इसके बाद विभाग ने तय समय-सीमा में सभी प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। सरकार ने आगामी महीनों में सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों के अग्रिम पेंशन प्रकरण समय पर तैयार करने पर भी जोर दिया है, ताकि सेवानिवृत्ति के बाद पेंशन शुरू होने में देरी न हो। उल्लेखनीय है कि वित्त विभाग ने 9 जून 2025 को राज्य केन्द्रीयकृत पेंशन प्रोसेसिंग सेल का गठन किया था। 1 अप्रैल 2026 से ऑनलाइन पेंशन प्रकरणों के निराकरण की नई व्यवस्था लागू है।

स्वामी एक सत प्रयास जनकल्याण समिति भोपाल के लिए, प्रकाशक एवं मुद्रक, **संपादक अमित शर्मा** द्वारा ए -1 माचना कॉलोनी , शा. राजीव गांधी स्कूल के पास, शिवाजी नगर, भोपाल (मप्र) पिन - 462016 से प्रकाशित एवं विनर प्रिंटर्स प्लाट 241-242 डायनामिक सेन्टर, एमपी नगर जोन-1 भोपाल से मुद्रित। **स्थानीय संपादक सुनील नायक**, पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।
RNI- MPHIN/2018/76807/ E-mail-eksatbulletin@gmail.com, डाक पंजीयन नंबर MP/BHOPAL/4-501/2020-22, मार्केटिंग एवं अन्य जानकारी हेतु संपर्क करें- फोन: 0755-4515227, मोबाइल: 9691653088